हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 21.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 207 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री का विपक्ष पर तंज, 25 साल में एक भी संशोधन प्रस्ताव नहीं

2050 में झारखंड देश का अग्रणी राज्य बनेगा : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 6450 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट सदन में प्रस्तुत किया। सरकार की ओर से पेश किए गए इस अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास परियोजनाओं और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि यह अतिरिक्त बजट राज्य में चल रही विकास योजनाओं को गति देने और लंबित परियोजनाओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। सरकार ने तृतीय अनुपूरक बजट को राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया है। इसके तहत विभिन्न विभागों को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराकर विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में दर्जन भर सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभी का आभार और सम्मान। सरकार के उत्तर में बहुत लंबी बातें भी कही जा सकती है और जरूरतभर भी कही जा सकती है। भलें ही गिने-चुने लोग यहां उपस्थित हैं। शायद भविष्य में भी यही या इससे भी बुरी स्थिति हो। 25 साल के झारखंड के सफर में इस बजट सत्र में नयी चीज देखने को मिली। पहली बार आज इस अभिभाषण पर कोई भी संशोधन नहीं आया। यह पहली बार है। संशोधन नहीं लाकर, आप सब लोगों ने भले ही ऊपर से, अखबार में छपने के लिए सरकार को खोरी-खोटी सुनाते हैं। लेकिन सरकार की उपलब्धियों को मानने लगे हैं। इसके लिए बहुत-बहुत आभार।

इतने बात में भी बात को खत्म किया जा सकता था। राज्यपाल महोदय ने जिन चीजों को सदन के समक्ष रखा, सभी चीजें राज्य की जनता के समक्ष है और जो चीज सरकार आज कर रही है या लगातार करती आ रही है, वह कागज पर नहीं, जमीन पर दिखता है। राज्य की जनता को दिखता है। यही वजह है कि आज कई ऐसी चीजें हैं, जिसे दूसरे राज्य अपना रहे हैं। पहले हम दूसरे राज्यों की कॉपी करते थे। यह छोटी बात नहीं है। एक कहावत है- पेड़ लगाएंगे बबूल का तो आम कहां से फलेगा। इस राज्य में पेड़ लगाने का काम आप (विपक्ष) ने ही किया था। आज हमने आपके बबूल के पेड़ को हटा कर आम का पेड़ लगाया है। सभी को इसका लाभ मिल रहा है। हमारी गठबंधन की सरकार है। डबल इंजन की सरकार का हाल भी इस राज्य ने देखा। कई राज्य देख रहे हैं। बहुत जल्द वह दिन आयेगा कि डबल इंजन की सरकारें धाराशायी होंगे। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। जहां आप (विपक्ष) जो कहें, वही कानून है। अगर नियम साफ हो और संकल्प दृढ़ हो, तो सरकार सीमित संशाधनों में भी कई काम करती है। नीरा यादव की टोक टिप्पणी पर सीएम ने कहा कि हम लोग जिंदा लोगों पर माल्यार्पण नहीं करते हैं। हमलोग सच्चाई पर जीते हैं। सरकार की मूल जिम्मेदारी है, किसान करीब का सहारा बनना। वही बनते हैं। 25 सालों में हमने जो लकीर खींची है, उसे मिटाना भी आपके बस की बात नहीं है। न ही उस पर काम करने की इच्छा या मंशा रहा हो। सामाजिक सुरक्षा, अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य। अभिभाषण में कितनी सत्यता है कि हम लोग पूरे राज्य में। अभी तो शुरूआत है। 2050 में राज्य अग्रणी राज्य बनेगा।

महिला दिवस पर सहिया बहनों को एकमुश्त 24 हजार रुपये का होगा भुगतान : इरफान

रांची : झारखंड की सहिया बहनों को महिला दिवस के अवसर पर एक वर्ष का 24 हजार रुपये एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। यह घोषणा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की। वे विधायक निर्मल महतो की ओर से उठाए गए सवाल का जवाब दे रहे थे। निर्मल महतो ने सदन में कहा कि राज्य की सहिया बहनें अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के बाहर धरना दे रही हैं और उन्हें नियमित भुगतान नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई की मांग की थी। बजट सत्र के दौरान विधायक सरयू राय ने पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल में पानी की गंभीर समस्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्घाटन पर्याप्त जल व्यवस्था के बिना कर दिया गया, जिसके कारण कई बार ऑपरेशन तक टालने पड़े। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि अस्पताल में जल व्यवस्था के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है और फिलहाल वैकल्पिक स्रोतों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। विधायक पूर्णिमा देवी ने भी कहा कि अस्पताल में महिलाओं को इलाज के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

झारखंड विधानसभा में 6,450 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट पेश, ग्रामीण विकास व सामाजिक योजनाओं पर जोर

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में 6,450 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। इस अनुपूरक बजट में सरकार ने ग्रामीण आधारभूत संरचना, सामाजिक कल्याण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक जरूरतों को प्राथमिकता दी है।

- अनुपूरक बजट में सबसे ज्यादा प्रावधान ग्रामीण कार्य विभाग के लिए किया गया है। विभाग को 1,717.58 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण सड़कों, पुल-पुलियों और अन्य बुनियादी ढांचागत कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।
- महिला एवं बाल विकास तथा सामाजिक सुरक्षा विभाग के लिए 779 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे महिलाओं और बच्चों से संबंधित योजनाओं को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा पंचायती राज विभाग को 657.56 करोड़ रुपये और ग्रामीण विकास विभाग को 594.88 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
- ऊर्जा विभाग के लिए 281.28 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 323.94 करोड़ रुपये की मांग रखी गई है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग (गृह प्रभाग) के लिए 407.21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- इसके अलावा खनन एवं भूतत्व विभाग के लिए 300.21 करोड़ रुपये, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए 177.97 करोड़ रुपये, जल संसाधन विभाग के लिए 159.73 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के लिए 105.35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- सरकार का कहना है कि इस अनुपूरक बजट से विकास योजनाओं को गति मिलेगी और राज्य में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आज भी खुला रहेगा सचिवालय, विधानसभा की होगी बैठक

रांची : सरकार ने शनिवार को भी सचिवालय और संबंधित कार्यालय खोलने का आदेश जारी किया है। इसकी वजह शनिवार को विधानसभा की बैठक निर्धारित होना है। आमतौर पर सचिवालय व संबंधित कार्यालय में शनिवार और रविवार को छुट्टी रहती है। सामान्यतः विधानसभा की बैठकों भी शनिवार को नहीं होती है। लेकिन राज्य में निकाय चुनाव की वजह से विधानसभा की बैठकों में बदलाव किया गया है। 23 फरवरी यानि सोमवार को स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान की तिथि निर्धारित है। इसलिए विधानसभा की बैठक सोमवार को नहीं होगी। साथ ही सोमवार को सचिवालय व संबंधित कार्यालयों में छुट्टी रहेगी।

एक नजर

अमित शाह टिप्पणी प्रकरण में राहुल गांधी का बयान दर्ज

सुलतानपुर : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में मानहानि केस का सामना कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को स्थानीय एमपी /एमएलए कोर्ट में अपने बयान दर्ज कराए। राहुल गांधी ने इस केस को सस्ती लोकप्रियता का मामला बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी शुक्रवार की सुबह 9 :30 बजे के आसपास लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे होते हुए 10 :50 बजे सीधे स्था कोर्ट पहुंचे। राहुल गांधी ने स्थानीय एमपी एमएलए कोर्ट में 313 के तहत अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि सस्ती लोकप्रियता के लिए मुझ पर साजिशन केस किया गया है। इस दौरान कोर्ट में वे 20 मिनट रुके। इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 9 मार्च की तिथि नियत की है। राहुल गांधी आज ही वापस लखनऊ जाएंगे। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी भी मौजूद रहे।

रिश्वत लेते रोजगार सेवक गिरफ्तार एसीबी ने भेजा जेल

पलामू : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पलामू इकाई ने छतरपुर थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर सिलदाग पंचायत के रोजगार सेवक सुनील कुमार को छह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। मेदिनीनगर कार्यालय लाने के बाद जरूरी प्रक्रिया पूरी कर रोजगार सेवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। रोजगार सेवक की गिरफ्तारी के साथ एसीबी पलामू ने इस वर्ष का चौथा ट्रैप केस पूरा कर लिया है। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार छतरपुर प्रखंड के सिलदाग गांव में दो महिलाओं के नाम से ग्राम सभा के माध्यम से दीदी बड़ी योजना प्रस्तावित हुई थी। योजना की स्वीकृति देने के लिए रोजगार सेवक ने छह हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। लाभुक घूस देकर काम नहीं करना चाहते थे और उन्होंने इसकी लिखित शिकायत एसीबी पलामू कार्यालय में कर दी। शिकायत को सही पाकर कार्रवाई के लिए टीम तैयार की गई और शुक्रवार को पीड़ित के साथ सिलदाग भेजा गया। यहां जैसे ही रोजगार सेवक सुनील ने घूस की राशि ली उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

अंगदान मानवता की सर्वोच्च मिसाल व समाज के लिए प्रेरक : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च मिसाल है और यह समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश देता है। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अंगदान का निर्णय साहस, संवेदनशीलता और मानवता का अद्भुत उदाहरण है, जो जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई आशा जगाता है।

मुख्यमंत्री ने केरल की नन्ही बिटिया आलिन शेरिन अब्राहम के परिजनों की सराहना करते हुए उनके जज्बे को नमन किया। उन्होंने कहा कि बच्ची के असमय निधन के बाद परिवार ने जिस हिम्मत और संवेदनशीलता के साथ अंगदान का फैसला लिया, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह निर्णय न केवल कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने वाला कदम है, बल्कि समाज को मानवीय मूल्यों और करुणा की सीख भी देता है। उन्होंने कहा कि देश में हजारों मरीज अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं और ऐसे फैसले उनके लिए उम्मीद की किरण बनते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने इस मानवीय पहल का सम्मान करते हुए बच्ची को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी।

घुसपैठियों को सीमा पार भेजेंगे, तीसरी बार असम में सरकार बनाएगी भाजपा : अमित शाह

एजेंसी

गुवाहाटी/कछार : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कछार जिले के दौरे के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हर घुसपैठिए को वापस सीमा पार भेज दिया जाएगा।

सीमा क्षेत्र में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार असम को सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान अवैध घुसपैठियों के लिए दरवाजे खुले छोड़ दिए गए थे, लेकिन भाजपा ने न केवल घुसपैठ पर रोक लगाई बल्कि अवैध कब्जाधारियों से कई लाख बीघा भूमि भी मुक्त कराई। कांग्रेस ने सालों तक राज किया, लेकिन उसने असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। जो कांग्रेस 50 साल में नहीं कर पाई, वह हमने 10 साल में कर दिया।

अमित शाह ने विश्वास जताया कि असम को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के संकल्प के साथ भाजपा राज्य में तीसरी बार सरकार बनाएगी। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने लोगों से आह्वान किया कि कोई भी सनातनी व्यक्ति अपनी जमीन किसी अजनबी को न बेचे। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग डेढ़ लाख बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जा चुका है और यदि भाजपा फिर से सत्ता में आती है तो पांच लाख बीघा भूमि पर अतिक्रमण हटाया जाएगा। कछार जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित नाथुनपुर में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II' का शुभारंभ किया। इस अवसर को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांव अब देश के विकास के नए केंद्र बनेंगे। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती गांवों को "राष्ट्र के प्रथम गांव" की नई पहचान देने की बात कही।

केंद्रीय गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लगाए गए 20 स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल का भी अवलोकन किया और महिला उद्यमियों से संवाद किया।

मोदी ने श्रीलंका, लिकटेंस्टीन, स्लोवाक गणराज्य के नेताओं से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से इतर श्रीलंका, लिकटेंस्टीन और स्लोवाक गणराज्य के शीर्ष नेताओं से अलग-अलग बैठक कर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। इन बैठकों में उभरती तकनीकों, व्यापार, निवेश और आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसनायके से यहां हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने नई और उभरती तकनीक में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की और श्रीलंका के पुनर्निर्माण में भारत के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। भारत और श्रीलंका प्राकृतिक साझेदार हैं, जिनकी गहरी सभ्यतागत कड़ियां हाल ही में कोलंबो में आयोजित देवनीमोरी अवशेष प्रदर्शनी में भी दिखीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में इस मुलाकात को शानदार बताते हुए दोनों देशों के बीच हुए सहयोग पर चर्चा की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति दिसानायके से मुलाकात शानदार रही। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, कौशल विकास, संस्कृति और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

रणधीर जायसवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के लिकटेंस्टीन के उत्तराधिकारी राजकुमार एलोइस फिलिप मारिया से मुलाकात की जानकारी दी। जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और उभरती तकनीकों, खासकर एआई, इनोवेशन और कौशल विकास में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह सहयोग इंडिया-ईएफटीए टीईपीए समझौते की गति पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि लिकटेंस्टीन के प्रिंस एलोइस से मुलाकात में आर्थिक संबंधों की संभावनाओं पर चर्चा हुई, विशेषकर इंडिया-ईएफटीए समझौते के बाद। उन्होंने इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, स्किलिंग और रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी जोर दिया।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेल्लेग्रिनी के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और व्यापार, निवेश, डिजिटल तकनीक, रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

एआई समिट में प्रदर्शन पर दिल्ली पुलिस का एक्शन, यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को भारत मंडपम में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शन कर रहे चार इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्यकर्ताओं को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि प्रगति मैदान मामले में दिल्ली पुलिस ने तिलक मार्ग थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पहले चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया और फिर सभी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अन्य लोगों की भी पहचान कर रही है। एडिशनल सीपी (नई दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा कि एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है, और ऐसे प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के लिए बता दें कि भारत मंडपम के बाहर आज भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर अर्धनग्न होकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और अपनी शर्ट उतारे हुए थे।

एक नजर

वन विभाग ने सेहदा जंगल से 30 टन अवैध कोयला किया बरामद

बड़कागांव : बड़कागांव वन क्षेत्र अंतर्गत सेहदा जंगल में अवैध कोयला खदान संचालन एवं कोयला कारोबार को लेकर, हजारीबाग जिला वन पदाधिकारी मौन प्रकाश के निर्देश पर बड़कागांव वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। घटनास्थल से वन विभाग ने लगभग 30 टन डंप किया गया अवैध कोयला बरामद किया । वहीं अवैध रूप से संचालन हो रहे 5 कोयला खदानों को जेसीबी मशीन लगाकर डोजरिंग भर दिया गया। बरामद किए गए कोयला को बड़कागांव वन विश्रामगार ले लाया गया है। समाचार लिखे जाने तक आरोपियों को चिन्हित करने एवं केस दर्ज करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी गई है। बड़कागांव वन विभाग के द्वारा बड़ी कार्रवाई होने से कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गई है।

रंग बिरंगी रोशनी से सजा माता भद्रकाली का दरबार

चतरा: राजकीय इटखोरी महोत्सव के दौरान तीन धर्मों की संगम स्थली इटखोरी और धार्मिक स्थल माता भद्रकाली का दरबार की साज साज और रोशनी यहां आने वाले श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महोत्सव में तडके सुबह से देर रात तक माता के दरबार में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। साथ ही मंदिर परिसर की साज सजावट को अपने कैमरे और मोबाइल में कैद कर रहे हैं। माता भद्रकाली का दरबार महोत्सव के दौरान आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह जगह सेल्फी प्वाइंट बन गया है। इस बार कई आकर्षक लाइट और कोलकाता से मंगाए गए फूलों से दरबार की सजावट की गई है।

इटखोरी एडवेंचर स्पोर्ट्स फेस्ट के दूसरे दिन भी रही धूम

चतरा: राजकीय इटखोरी महोत्सव में इटखोरी एडवेंचर स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को भी आयोजन किया गया। वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भाग लेने के लिए दिन भर लोगों की भीड़ लगी रही। महोत्सव में लोगों को सारी सुविधाएं निशुल्क दी जा रही हैं। महोत्सव में आठ प्रकार की रोमांचक वाटर एक्टिविटीज आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसमें बनाना राइड, डिस्को एवं रिंगो राइड, कायाकिंग, वेक-बोर्डिंग, जेट स्की सहित अन्य जलक्रीड़ाएं शामिल हैं।

बिना लाइसेंस चल रही मीट-चिकन दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, कई दुकानों को नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सिविल सर्जन सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने नईसराय क्षेत्र में संचालित मीट एवं चिकन दुकानों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश दुकानें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा जारी अनुज्ञप्ति या पंजीकरण के बिना संचालित पाई गईं। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 की अनुसूची-IV के तहत निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। जांच टीम ने पाया कि कई दुकानों में अत्यधिक गंदगी, अस्वच्छ फर्श, खुले में मांस का भंडारण तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था का अभाव था। कुछ स्थानों पर अपशिष्ट निस्तारण की भी उचित व्यवस्था नहीं मिली, जिससे जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि खाद्य पदार्थों की बिक्री में स्वच्छता सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के बाद संबंधित दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिन दुकानों को नोटिस दिया गया उनमें मो. नसीम कुरैशी मीट दुकान, राजू मटन शॉप, विनोद करमाली मटन शॉप, मुमताज कुरैशी चिकन शॉप, इमरान कुरैशी चिकन शॉप, मो. नईम तथा शाहनवाज मटन शॉप शामिल हैं। विभाग ने सभी दुकानदारों को निर्देश दिया है कि वे अविलंब FSSAक लाइसेंस प्राप्त करें और स्वच्छता मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह और लुकेश रवानी जांच टीम में शामिल रहे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुमार्ना या दुकान सील करना भी शामिल हो सकता है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी और स्वच्छ दुकानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें तथा किसी भी अनियमितता की सूचना विभाग को दें, ताकि सुरक्षित और स्वास्थ्यकर खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

रमजान का चाँद दिखते ही चौपारण में इबादत का सिलसिला शुरू, पहले जुमे में भारी भीड़

चौपारण : प्रखंड में चाँद के दीदार के साथ ही बरकतों और रहमतों के पाक महीना माह-ए-रमजान का आगाज हो गया है। गुरुवार को मुस्लिम समाज के अकीदतमंदों ने पूरी अकीदत के साथ पहला रोजा रखा एवं रोजेदारों ने पहली तरावीह की नमाज पढ़ी। खास बात यह रही कि इस वर्ष का पहला रोजा करीब 12 घंटा 42 मिनट का रहा। रोजेदारों ने खुदा की इबादत में मशगूल रहते हुए सुकून के साथ दिन गुजारा। शुक्रवार को रमजान के पहले जुमे में हजारों लोगों ने प्रखंड के विभिन्न-विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा कर अपने गुनाहों से तौबा की। प्रखण्ड पंचायत पाण्डेयबारा के गांव कमलवार में जुमे की तकरीर में रमजान की अहमियत बताई गई। इस मौके पर इमाम मुमताज आलम ने कहा कि रमजान का महीना खुदा की तरफ से इनायत है। यह महीना रहमत, बरकत और गुनाहों की माफी (मगफिरत) का है। उन्होंने कहा कि रोजा केवल भूखा-प्यासा रहने का नाम नहीं, बल्कि यह इंसान को परहेजगारी, आत्मसंयम और दूसरों की मदद करने का संदेश देता है। रमजान शुरू होते ही मस्जिदों में विशेष तरावीह की नमाज का सिलसिला भी शुरू हो गया है। रोजेदारों ने नमाज, तिलावत-ए-कुरआन और खैरात (दान) के जरिए अल्लाह की रजा हासिल करने की दुआएं मांगी।

बरही अनुमंडल अस्पताल परिसर में बना पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन

बरही : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने बजट सत्र के दौरान सदन में बरही अनुमंडल अस्पताल के पुराने भवन परिसर में निर्मित पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या यह सही है कि उक्त परिसर में पब्लिक हेल्थ यूनिट का भवन बनकर तैयार हो चुका है। इस पर संबंधित मंत्री ने स्वीकारात्मक जवाब देते हुए पुष्टि की कि बरही अनुमंडल अस्पताल के पुराने भवन परिसर में पब्लिक हेल्थ यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। विधायक मनोज कुमार यादव ने इसके बाद सवाल किया कि क्या इस पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की संपूर्ण व्यवस्था इसी वर्ष प्रारंभ करने की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। मंत्री ने जवाब में बताया कि वर्तमान में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच का कार्य बरही अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत कर्मियों के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही सिविल सर्जन, हजारीबाग के पत्रांक 287 दिनांक 16 .02 .2026 से प्राप्त सूचना के अनुसार ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के लिए आवश्यक मानव संसाधन की नियुक्ति हेतु आदेश निर्गत कर दिया गया है। विधायक ने अंत में पूछा कि यदि उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि होती है तो क्या सरकार शीघ्र ही पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करेगी? यदि हां, तो कब तक, अन्यथा क्यों? इस पर मंत्री ने कहा कि उपरोक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है। सदन में उठे इस प्रश्न के बाद विधायक मनोज यादव ने कहा कि पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की पूर्ण व्यवस्था शुरू हो जाने से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

रेनबो स्कूल बरही के छात्रों का आईसीएआर गोरियाकरमा, आधुनिक कृषि तकनीकों से हुए रूबरू

बरही : रेनबो स्कूल बरही के कक्षा पंचम से कक्षा नवम तक के विद्यार्थियों को आईसीएआर गोरियाकरमा में भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को कृषि, पशुपालन एवं आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना था। भ्रमण के दौरान छात्रों को स्मार्ट क्लासेस एवं उन्नत लैब में ले जाकर कृषि पालन की नई लाइनें, आधुनिक उपकरणों और तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। उद्यमियों द्वारा बच्चों को बौद्धिक खेती विधि एवं ग्राफ्टिंग विधि की जानकारी दी गई तथा इसके व्यावहारिक पहलुओं को भी समझाया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को मछली पालन, बकरी पालन तथा कृषि के आधुनिकीकरण से जुड़ी तकनीकों से अवगत कराया गया। लैब में इंजीनियरों की सहायता से विभिन्न प्रकार के स्लाइड दिखाए गए, जिससे बच्चों को वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान की प्रक्रिया समझने का अवसर मिला। विद्यालय निदेशक सिकंदर प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि इस प्रकार के अकादमी भ्रमण से बच्चों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता है। छात्र-छात्राओं ने भी भ्रमण को ज्ञानवर्धक और प्रेरणा देने वाला बताया।

हाथियों के आतंक के बीच जान जोखिम में डालकर डटे वनकर्मी

हजारीबाग: हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल क्षेत्र में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों ने वन अधिकारियों से लेकर वनकर्मियों तक की नींद उड़ा दी है। जंगल से सटे गांवों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग के कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सुरक्षा में जुटे हुए हैं। प्रमंडल के डीएफओ के सख्त निर्देश पर हजारीबाग, बोकारो, बगोदर और गोमिया सहित विभिन्न वन क्षेत्रों में गश्ती बढ़ा दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखें और ग्रामीणों को समय रहते सतर्क करें, ताकि किसी प्रकार की जान-माल की क्षति न हो। वनपाल संजीत कुमार रवि ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार पूरे क्षेत्र में 24 घंटे गश्ती की जा रही है। "न हमें नींद की चिंता है, न भूख की। परिवार की चिंता छोड़ हम जनता की सेवा में दिन-रात लगे हैं। जब तक हाथियों को इस क्षेत्र से सुरक्षित बाहर नहीं किया जाएगा, हम चैन से नहीं बैठेंगे," उन्होंने कहा। वन विभाग द्वारा हाथियों की लोकेशन की जानकारी सोशल मीडिया, सायरन और माइकिंग के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। खासकर चुरचू, टाटीझरिया, बिशनगढ़ और दारू प्रखंड में विशेष सतर्कता बरती जा रही है, जहां हाल के दिनों में हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि वनकर्मी दिन-रात गांवों के आसपास तैनात हैं और हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर खदेड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

सिंघरावां में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, एम्बुलेंस देरी पर फूटा लोगों का गुस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के सिंघरावाँ दुर्गा मंदिर समीप एक तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को अपने चपेट में ले लिया। व्यक्ति की पहचान सरफराज खान पिता, शमशाद खान ग्राम केवला, सिंघरावाँ के रूप में हुई। इस भीषण दुर्घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सरफराज खान सड़क किनारे खड़े थे, तभी बरही की ओर से आ रही तेज रफ्तार वाली एक ट्रक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दुर्घटना के बाद 108 एम्बुलेंस और एनएचएआई हेल्पलाइन 1033 पर बार-बार कॉल करने के बावजूद सरकारी एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची। आखिरकार निजी और आपदा प्रबंधन टीम की एम्बुलेंस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना ने स्थानीय स्तर पर सरकारी स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की बदहाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता, पूर्व उप प्रमुख प्रीति गुप्ता, पूर्व मुखिया अंजू देवी, बंटी कुमार, कांग्रेस नेता मतीन खान, नरेश साव, हरेंद्र कुमार, मंटू साव सहित कई ग्रामीणों ने इस इलाके को 'दुर्घटना जोन' करार दिया है। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर पिछले कई वर्षों से बार-बार सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

सांसद के निर्देश पर अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रोकी सड़क चौड़ीकरण का कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रसोईया धमना मोड पर अंडरपास निर्माण की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। गुरुवार को ग्रामीणों का शिष्टमंडल सांसद मनीष जयसवाल से मिलकर अपनी समस्या से अवगत कराया था। ग्रामीणों के अनुसार सांसद ने कहा कि पहले सड़क निर्माण का कार्य रोके,तभी अंडरपास निर्माण का कार्य शुरू हो सकेगा। सांसद के निदेर्शानुसार सैकड़ों ग्रामीण शुक्रवार को कार्यस्थल पर पहुंचे और निर्माण कार्य को बंद करा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि तत्कालीन सांसद जयंत सिंहा एवं तत्कालीन विधायक उमाशंकर अकेला के अनुशंसा पर रसोइया धमना मोड पर अंडरपास निर्माण की स्वीकृति मिली थी। लेकिन निर्माण कार्य करा रही कंपनी ने बताया कि एक जनप्रतिनिधि के लिखित पत्राचार के बाद अंडरपास निर्माण को कैंसल कर दिया गया है। इस वजह से निर्माण कार्य नहीं हो पाएगा। मुखिया गोविंद प्रसाद, ग्रामीण मो तौकीर, मो तैयब, प्रो बद्री साव सहित सैकड़ों लोगों ने बताया कि रसोइया धमना मोड पर अंडरपास बनाना जरूरी है। नहीं तो दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक बड़े नेता ने अंडरपास को रद्द करवा दिया है। जिसके कारण अंडरपास नहीं बन पा रहा है। इधर काम रोके जाने पर एजेंसी के लोग परेशान दिख रहे हैं। वे ग्रामीणों को समझा बुझाकर काम करना चाह रहे थे लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें साफ मना कर दिया। कहा कि जब तक अंडरपास निर्माण कार्य शुरू नहीं होता तबतक निर्माण कार्य को बंद रखा जाय। ग्रामीण अब अनिश्चितकालीन आंदोलन का मूड बना रहे हैं। रसोइया धमना, छोटकी बरही, कोयली, बेंदगी आदि गांव के हजारों लोग इस आंदोलन का हिस्सा बनने को तैयार हैं। अब देखना है की जनप्रतिनिधि जनता की हित के लिए अगर सोचते हैं तो इनके आंदोलन को सपोर्ट करेंगे या निजी स्वार्थ में जनहित को तिलांजलि दे देंगे।

एनटीपीसी, सीसीएल, अडानी-एनएमडीसी पर विधायक का हमला, वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड व आसपास के क्षेत्रों में एनटीपीसी, सीसीएल, अडानी और एनएमडीसी जैसी कंपनियों द्वारा की जा रही बलपूर्वक कार्रवाई पर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कड़ा रुख अपनाया है। और विधानसभा में प्रमुखता के साथ सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उन्होंने कहा कि एनटीपीसी बादम, सीसीएल चंद्रगुप्त, अदानी, एनएमडीसी अन्य कंपनियों को आवंटित कोल माइंस क्षेत्रों में जनसुनवाई, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं मुआवजा भुगतान की वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण किए बिना ही कंपनियों एवं उनके एमडीओ द्वारा बलपूर्वक भूमि खाली कर उत्खनन कार्य प्रारंभ किए जाने की सूचना अत्यंत चिंताजनक है। और जब इसका स्थानीय ग्रामीणों एवं भूमिधारकों के द्वारा विरोध करने पर उनके विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कर भय और दमन का वातावरण बनाया जा रहा है। जो लोकतांत्रिक मूल्यों एवं विधि के शासन के विरुद्ध है। आगे उन्होंने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूँ की सर्वप्रथम सार्वजनिक जनसुनवाई विधिवत आयोजित की जाए। विधि सम्मत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। प्रभावित परिवारों का समुचित पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन सुनिश्चित किया जाए। उचित एवं पारदर्शी मुआवजा भुगतान किया जाए।ग्रामसभा एवं स्थानीय जनता की जनसहमति प्राप्त करने के पश्चात ही खनन कार्य प्रारंभ किया जाए। आगे उन्होंने कहा कि विकास कार्य जनहित में होना चाहिए, न कि जनता के अधिकारों का हनन कर। सरकार से आग्रह है कि वह अविलंब संज्ञान लेकर प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कांडतरी में निःशुल्क करने का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : उत्क्रमित मध्य विद्यालय कांडतरी में बच्चों को अपने जीवन शैली में अत्यंत उपयोगी आत्मरक्षा की विभिन्न शैलीयों को सिखाया गया। इसके लिए विद्यालय में दो दिवसीय निःशुल्क सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ने आयोजित किया एवं स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के नेतृत्व में संपन्न हुआ। 19 से 20 फरवरी तक चले प्रशिक्षण शिविर में विद्यालय के कक्षा 2-8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण 4 डॉन ब्लैक बेल्ट प्रशिक्षक शिहान मार्सेल टुडू ने दिया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम आज के आधुनिक युग में बच्चों के लिए शरीरिक क्षमता को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य व मानसिक संतुलन बनाए रखने में बेहद कारगर साबित होगी। इससे वो अपनी रक्षा किसी भी परिस्थिति में स्वयं कर सकते हैं। इस तरह के मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से भारत सरकार को एक विषय के रूप में हर शिक्षण संस्थानों में लागु करनी चाहिए ।मौके पर विद्यालय के शिक्षक मोहमद असलम, रामकुमार प्रसाद, रंजन कुमार, विनोद कुमार, प्रकाश कुमार, रविन्द्र कुमार, बाबुलाल कुमार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

अंचल कार्यालय में प्रमाण पत्र बनाने में भ्रष्टाचार का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विधानसभा सत्र के दौरान झारखंड में विद्यार्थियों के जाति, आय, आवासीय एवं जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही परेशानी, अनियमितता और भ्रष्टाचार का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव द्वारा उठाए गए प्रश्न पर चर्चा के दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी भाग लेते हुए अंचल कार्यालयों में व्याप्त अव्यवस्था और कथित लेन-देन की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े किए। डॉ. नीरा यादव ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि निर्धारित नियमों के बावजूद विद्यार्थियों को जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अंचल कार्यालयों में अनियमितता के कारण छात्रों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक कार्य प्रभावित होते हैं। चर्चा में भाग लेते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही यदि युवाओं को सरकारी कार्यालयों में लेन-देन और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़े, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को नामांकन, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए समय पर प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है, लेकिन अनावश्यक देरी और कथित अवैध मांगों के कारण उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है। विधायक मनोज यादव ने सरकार से मांग की कि प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने राजस्व मंत्री से स्पष्ट जवाब की मांग करते हुए पूछा कि इस प्रकार की अनियमितताओं पर सरकार क्या ठोस कदम उठाएगी। राजस्व मंत्री ने अपने जवाब में आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

13वें स्थापना दिवस पर कल सजेगा प्रतिभा का महाकुंभ, श्रीदास महोत्सव में दिखेगा बच्चों का जलवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल परिसर में कल यानी 21 फरवरी को विद्यालय के 13वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य श्रीदस महोत्सव" का आयोजन होने जा रहा है। इस महोत्सव को लेकर विद्यालय परिवार, अभिभावकों और विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान नृत्य, संगीत, नाटक, विज्ञान एवं कला से जुड़ी आकर्षक प्रस्तुतियाँ मंचित की जाएंगी। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह आयोजन बच्चों की छिपी प्रतिभा को मंच देने और उनके आत्मविश्वास को नई ऊँचाई प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। इस दौरान प्रधानाचार्य के. कुमार ने कहा कि, श्रीदस महोत्सव हमारे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उत्सव है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करें। आपकी उपस्थिति बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देगी। वहीं विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार ने बताया कि हमारा प्रयास है कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा मंच मिले। श्रीदस महोत्सव उसी सोच का परिणाम है। हम सभी अतिथियों और अभिभावकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। महोत्सव में भाग ले रहे विद्यार्थियों में भी खासा उत्साह है। एक छात्र ने कहा हमने अपनी प्रस्तुति के लिए बहुत मेहनत की है और हम चाहते हैं कि सभी लोग आकर हमें प्रोत्साहित करें। वहीं एक छात्रा ने उत्साह जताते हुए कहा स्टेज पर परफॉर्म करने के लिए हम सभी बहुत उत्साहित हैं। श्रीदस महोत्सव हमारे लिए यादगार पल होगा। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे 21 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाएं और बच्चों का मनोबल बढ़ाएं।

एक नजर

आदिवासी धर्म कोड को लेकर 25 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय धरना

रांची : आदिवासी धर्म कोड की मांग को लेकर आगामी 25 फरवरी को दिल्ली के जंतर मंतर में देशव्यापी धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत की ओर से किया जा रहा है। राष्ट्रीय संयोजक देव कुमार धान ने शुक्रवार को बताया कि धरना में झारखंड, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के अगुवा एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि धरना के बाद एक ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री तथा रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया को सौंपा जाएगा।

मोहित देवड़ा की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई पूरी आदेश सुरक्षित

रांची : 730 करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी घोटाला मामले में आरोपी कारोबारी मोहित देवड़ा की डिस्चार्ज पिटीशन पर पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई। जिसके बाद पीएमएलए कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट 27 फरवरी को अपना आदेश सुनाएगी। शुक्रवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने कहा कि मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, जिसमें याचिकाकर्ता पर गंभीर आरोप है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वह निर्दोष है। उसे इस मामले में उसे मुक्त किया जाए। बता दें कि मामले में ईडी ने इसीआईआर 5/ 2025 दर्ज किया है।

अपहरण कर फिरौती मांगने वाला पड़ोसी दोषी करार, सजा पर सुनवाई आज

रांची : पंडरा निवासी अखोरी धनंजय सिंह के पुत्र के अपहरण और उसे छोड़ने की एवज में फिरौती मांगने के आरोपी जनक प्रसाद को अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की कोर्ट ने दोषी करार दिया है। उसकी सजा के बिंदु पर कोर्ट शनिवार को सुनवाई करेगी। बता दें कि मामले में पंडरा ओपी में पिता अखोरी धनंजय सिंह मई 2014 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अधीक्षक उत्पाद विभाग दुमका में कार्यरत हैं। पुत्र के गुमशुदा होने के संबंध में सूचना प्राप्त होने के बाद वह रांची लौट रहे थे। उसी क्रम में आरोपी की ओर से उन्हें मोबाइल फोन पर उनके पुत्र को वापस पाने के लिए 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस को सूचना देने पर उनके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी गई थी। फोन पर उन्होंने आवाज से अपहरणकर्ता की पहचान अपने पड़ोसी जनक प्रसाद के रूप में की। फोन पर अपहरणकर्ता ने उन्हें रांची के कचहरी चौक पर शाम 5:00 बजे स्कूल बैग में 5 लाख रुपए लेकर पहुंचाने पर उसी रात 9 बजे उनके पुत्र को वापस घर भेज दिए जाने का भरोसा दिलाया था।

मस्जिदों में पढ़ी गई रमजान माह के पहले जुम्मे की नमाज

रांची : राजधानी रांची में माह-ए-रमजान के पहले जुम्मे की नमाज आज शुक्रवार को सभी मस्जिदों में अदा की गई। नमाज के बाद रहमत और बरकत की दुआएं मांगी गई। नमाज अदा करने के लिए लोग समय से पहले ही मस्जिद पहुंच गए। इसे लेकर पहले ही मस्जिदों में तैयारियां कर ली गई थी। जामा मस्जिद अपर बाजार में मुफ्ती तल्हा नदवी, राईन मस्जिद में मुफ्ती मो. अनवर कासमी, पथलकुदवा मस्जिद में मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी, कर्बला चौक हव्वारी मस्जिद में मुफ्ती मो। सनाउल्लाह मजाहिरी समेत विभिन्न मस्जिदों में नमाजियों की जनसैलाब देखने को मिला।

झारखंड विस सत्र : विधायक राजेश कच्छप ने गिनायी सरकार की उपलब्धियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बजट सत्र में खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने सदन में राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पुराने युवा राज्य में जो काम पहले नहीं हो पाए, वे अब हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में पूरे हो रहे हैं। अधिकारी अब गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और उन्हें सरकार तक पहुंचा रहे हैं। वृद्धा पेंशन में बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर लाभुकों की संख्या बढ़ाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है और बकाया राशि रोक रखी है। इसके बावजूद राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य योजनाएं अपने संसाधनों से पूरा कर रही है। विधायक ने कहा कि भाजपा की नीतियों से जल, जंगल और जमीन प्रभावित हुए, जबकि राज्य सरकार आदिवासी-मूलवासी हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

झारखंड विधानसभा में विधायक जयराम महतो ने उठाया प्रवासी मजदूरों का मुद्दा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रवासी मजदूरों की स्थिति, उनके निबंधन और सरकारी सहायता को लेकर सदन में गंभीर चर्चा हुई। डुमरी से विधायक जयराम महतो ने राज्य के प्रवासी मजदूरों के निबंधन पर सवाल उठाते हुए सरकार की तैयारियों पर चिंता जताई।

जयराम महतो ने सदन में कहा कि झारखंड में करीब 15 लाख प्रवासी मजदूर हैं, लेकिन उनमें से केवल 2.29 लाख मजदूरों का ही निबंधन हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य के 80 से 85 प्रतिशत मजदूरों का निबंधन ही नहीं हुआ है, तो उन्हें सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ कैसे मिलेगा।

उन्होंने सरकार से पूछा कि सभी प्रवासी मजदूरों के निबंधन के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और इस दिशा में क्या तैयारी है? इस पर राज्य के श्रम मंत्री संजय यादव ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार मजदूरों के निबंधन को लेकर गंभीर है और इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है।

मंत्री ने सदन में बताया कि राज्य के मजदूरों के साथ यदि देश या विदेश में कहीं भी कोई घटना होती है, तो सरकार उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराती है।

नए आपराधिक कानूनों की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची स्थित पुलिस मुख्यालय में केंद्रीय गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव निष्ठा तिवारी और झारखण्ड डीजीपी तदाशा मिश्रा की संयुक्त अध्यक्षता में नए आपराधिक कानून की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में नए आपराधिक कानूनों को लेकर चर्चा की गई। जिसमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के विभिन्न प्रावधानों पर मंथन हुआ। बैठक के दौरान नए कानून के पालन और जांच में साक्ष्य इक्कठा करने के लिये ई-साक्ष्य ऐप का सही एवं सकारात्मक प्रयोग को लेकर विचार-विमर्श हुआ। केंद्रीय गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव निष्ठा तिवारी ने ई-साक्ष्य ऐप के उपयोग करने में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही नए आपराधिक कानून के मुताबिक मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच पूरा करने और जांच में वैज्ञानिक साक्ष्य के लिए फॉरेंसिक टीम का मदद लेने का निर्देश दिए गए। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा-II) निष्ठा तिवारी और राज्य की डीजीपी तदाशा मिश्रा समेत कई अन्य अधिकारी शामिल हुए।

रांची नगर निगम चुनाव 23 फरवरी को मतदान के लिए पहचान पत्र अनिवार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार रांची जिले में 23 फरवरी को नगर निगम चुनाव के लिए मतदान कराया जाएगा। मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची जारी की है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी मतदाताओं को मतदान केंद्र पर अपनी पहचान प्रमाणित करने के लिए मान्य फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसके बिना मतदान की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी), निर्वाचन तंत्र की ओर से जारी प्रमाणिक फोटोयुक्त मतदाता पर्ची, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राज्य या केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रम, स्थानीय निकाय या पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) से संबंधित पहचान दस्तावेज, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत जारी फोटोयुक्त जॉब कार्ड, फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड तथा फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज जैसे दस्तावेजों में से किसी एक को दिखाकर मतदान कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान के दिन निर्धारित पहचान पत्र के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचें, ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

एसबीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय में शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने ओंकार को एकाग्रता का मूल मंत्र बताया। शिक्षा और सफलता को एकाग्रता से जोड़ते हुए उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसे जोड़ने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मूल्य आधारित शिक्षा पर बात करते हुए उन्होंने व्यक्ति के चारित्रिक मूल्यों पर विस्तार से बात की। मन के विकास के लिए स्वाध्याय, सत्संग, संगीत, सेवा और संयम की अनिवार्यता पर उन्होंने जोर देते हुए इसे ठीक करने के लिए सकारात्मक प्रयोगों की बात की। डॉ. कोठारी ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में शिक्षा तभी सार्थक होगी, जब व्यक्तिगत समस्याओं से लेकर सामाजिक और राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान की दिशा में पूरे मनोयोग से प्रयास करें।

भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, सरला बिरला विश्वविद्यालय और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यशाला के पहले दिन कुल पांच सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में विवि के माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने व्यक्ति विशेष के आंतरिक परिवर्तन पर जोर दिया। हीरे का उदाहरण देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरह हीरे को तराशने के बाद ही उसकी गुणवत्ता की परख होती है, उसी तरह से अगर व्यक्ति अपने अंदर मौजूद मूल्यों को तराशे, तो उसकी विश्वसनीयता और चारित्रिक निर्माण सुदृढ़ होता है। विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने आदि ग्रंथों का उदाहरण देते हुए कहा कि आज के इस भौतिकवाद के युग में आध्यात्मिकता से कई बुराइयों से निजात पाना संभव है। उन्होंने शिक्षा की राह में चरित्र निर्माण की आवश्यकता को जरूरी बताया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने कर्म और चरित्र के बीच के संबंधों पर रोशनी डाली। उन्होंने नैतिक मूल्यों के विकास से सकारात्मक चरित्र के परिवर्तन पर बात की। इंदौर के एसजीआईएसआईएस मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक प्रो. मनोहर भंडारी ने सत्र के दौरान अपने वक्तव्य में चरित्र को स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य को दीघार्यु का रास्ता करार दिया। सदाचार, चरित्र और जीवनशैली को स्वास्थ्य का मूल आधार बताते हुए अमेरिका के पेन पॉजिटिव साइकोलॉजी सेंटर के निदेशक मार्टिन सेलिगमैन के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए बताया कि खुशी के तीन स्तंभ– सुखद जीवन, अच्छा जीवन और सार्थक जीवन सीधे तौर पर चरित्र से जुड़े हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चरित्र और स्वास्थ्य के बीच गहरा जैविक और मानसिक संबंध है और जिस समाज में चरित्र कमजोर होता है, वहां बीमारियां मजबूत हो जाती हैं।

सदर अस्पताल में 5 किलो का सर्वाइकल ट्यूमर का सफल सर्जरी

रांची : रांची स्थित सदर अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग ने एक बड़ी चिकित्सीय उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने 54 वर्षीय मरीज के गर्दन और पीठ के सर्वाइको-डॉर्सल क्षेत्र में पिछले 17 वर्षों से बढ़ रहे लगभग 5 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया है। यह सर्जरी अत्यंत जटिल मानी जा रही थी, जिसे डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। मरीज लंबे समय से गर्दन और पीठ में भारीपन, लगातार दर्द और सामान्य दिनचर्या में गंभीर परेशानी से जूझ रहा था। ट्यूमर का आकार इतना बड़ा हो गया था कि सिर झुकाना, बैठना और सोना भी उसके लिए कठिन हो गया था।

केवल संदेह व सामान्य आरोपों के आधार पर तलाक का आदेश नहीं दे सकते : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला में पति द्वारा पत्नी पर लगाए गए अवैध संबंध, क्रूरता और परित्याग के आरोपों को अप्रमाणित मानते हुए तलाक की मांग खारिज कर दी। अदालत ने परिवार न्यायालय, गोड्डा के फैसले को बरकरार रखा है। कहा कि केवल संदेह और सामान्य आरोपों के आधार पर तलाक का आदेश नहीं दिया जा सकता।

मामले में अपीलकर्ता पति ने परिवार न्यायालय, गोड्डा द्वारा उनकी तलाक याचिका खारिज किए जाने के निर्णय को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय ने मामले में फैसला सुनाया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि व्यभिचार (अवैध संबंध) का आरोप गंभीर प्रकृति का होता है, इसलिए इसके लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक हैं। पति ने केवल सामान्य और संदेह आधारित आरोप लगाए, लेकिन किसी प्रत्यक्ष घटना या ठोस प्रमाण का उल्लेख नहीं किया।

कॉल डिटेल्स या अन्य दस्तावेजी साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए। गवाहों ने भी किसी प्रत्यक्ष अवैध संबंध की पुष्टि नहीं की। अदालत ने स्पष्ट किया कि व्यभिचार जैसे गंभीर आरोपों के लिए उच्च स्तर का प्रमाण अपेक्षित है। कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक जीवन में सामान्य मतभेद या झगड़े 'क्रूरता' की श्रेणी में नहीं आते।

पत्नी के घर छोड़ने की घटना को भी विधिक रूप से परित्याग सिद्ध करने योग्य नहीं पाया गया, क्योंकि आवश्यक कानूनी तत्वों का प्रमाण नहीं दिया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि परिवार न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों का समुचित मूल्यांकन किया है और उसके निर्णय में कोई कानूनी त्रुटि या 'पर्वर्सिटी' (स्पष्ट असंगति या साक्ष्य के विपरीत निष्कर्ष) नहीं है। दरअसल पति-पत्नी का विवाह 8 दिसंबर 2011 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। दंपति के दो बच्चे हैं। पति विकास (बदला हुआ नाम) ने आरोप लगाया कि पत्नी रेखा (बदला हुआ नाम) का एक व्यक्ति के साथ अवैध संबंध था और वह 30 अप्रैल 2021 को बच्चों, आभूषण व नकदी लेकर उसके साथ घर छोड़कर चली गई। पति ने इस आधार पर तलाक की मांग की थी।

हाई कोर्ट की खंडपीठ ने पति की अपील खारिज करते हुए परिवार न्यायालय, गोड्डा द्वारा 15 अक्टूबर 2022 को पारित निर्णय को बरकरार रखा है।

संक्षिप्त खबरें

गांजे की खरीद-बिक्री करने वाले 2 युवक को पुलिस ने पकड़ा

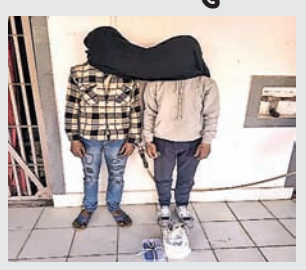

रांची : सुखदेव नगर थाना पुलिस ने अवैध गांजा खरीद-बिक्री मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम अखिलेश यादव और विवेक यादव है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के डीएभी स्वर्णरेखा स्कूल के पास अवैध मादक पदार्थों का खरीद बिक्री हो रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद जांच की गई। पुलिस ने मामले में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए, मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। जिसमें अखिलेश यादव नामक युवक की तलाशी ली गई। जिसके पास से गांजा बरामद हुआ। उस दौरान दूसरा आरोपी विवेक यादव मौके से भागने में कामयाब रहा। अखिलेश यादव की सघन तलाशी लेने पर उसके पास से 548 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस की पूछताछ में अखिलेश यादव ने बताया कि ओडिशा के राउरकेला से अवैध तरीके से गांजा की तस्करी करता है। जिसे विद्यानगर और आसपास के इलाकों में ऊंची कीमत पर बेचता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि, फरार आरोपी विवेक यादव को विद्यानगर से गिरफ्तार किया गया है। दोनों युवक ने कबूल किया कि खटाल की आड़ में अवैध रुप से गांजा की खरीद बिक्री करते हैं। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों युवकों जेल भेज दिया है।

राज्य में 24 फरवरी को बदलेगा मौसम, कुछ इलाकों में गरज के साथ बौछार के आसार

रांची : राज्य में मौसम फिलहाल शुष्क बना हुआ है। भारत विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड के अधिकांश हिस्सों में शुष्क मौसम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की स्थिति नहीं रही, जबकि न्यूनतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया। राज्य में सबसे अधिक तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज हुआ। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 20 से 23 फरवरी तक सुबह के समय हल्का कोहरा और दिन में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। 24 फरवरी को राज्य के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछार हो सकती है। इसके बाद 25 और 26 फरवरी को फिर से सुबह कोहरा और दिन में साफ मौसम रहने का अनुमान है। आने वाले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। अगले सात दिनों के लिए राज्य में किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सीयूजे में अनूप बिरथरे का व्याख्यान, छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

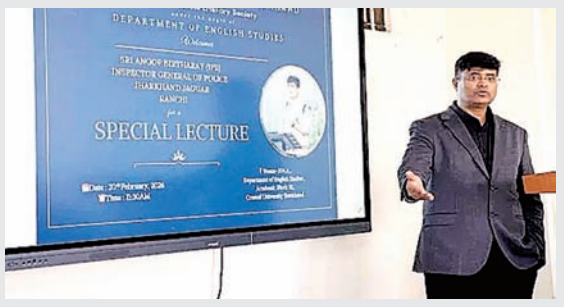

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी अध्ययन विभाग द्वारा शुक्रवार को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड जगुआर के पुलिस महानिरीक्षक अनूप बिरथरे (आईपीएस) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं, व्यक्तित्व-निर्माण और जीवन-प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अंग्रेजी एवं हिंदी विभागाध्यक्षों द्वारा मुख्य अतिथि के औपचारिक स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। स्वागत भाषण में प्रोफेसर रत्नेश विश्वकसेन ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र-निर्माण और नेतृत्व विकास की प्रयोगशाला भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अपने संबोधन में अनूप बिरथरे ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने अनुभव, संघर्ष और चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि सफलता का मार्ग कभी आसान नहीं होता, लेकिन नियमित अभ्यास, प्रभावी समय-प्रबंधन और सकारात्मक सोच से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अनुशासित दिनचर्या, निरंतर अध्ययन और आत्मविश्वास को सफलता की मूल आधारशिला बताया। उन्होंने शारीरिक सुदृढ़ता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर न केवल बेहतर स्वास्थ्य देता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता, निर्णय क्षमता और भावनात्मक संतुलन को भी मजबूत करता है। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इस उक्ति को दोहराते हुए उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। बिरथरे ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, टीम वर्क और नैतिक मूल्यों का समावेश भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि असफलता ही सफलता की सबसे बड़ी शिक्षक होती है।

प्रोजेक्ट अमृत कार्यक्रम के बैनर तले अरगोड़ा तालाब की सफाई की जाएगी

रांची : निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन के अंतर्गत प्रोजेक्ट अमृत कार्यक्रम के बैनर तले अरगोड़ा तालाब का सफाई किया जाएगाजिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर न रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ विधायक सीपी सिंह पूर्व उप महापौर संजय विजयवर्गीय उपस्थित रहेंगे। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 फरवरी रविवार को सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज व निरंकारी राजपिता के पावन आशीर्वाद के द्वारा रविवार 22 फरवरी अमृत परियोजना के तहत 'स्वच्छ जल स्वच्छ मन' का शुभारंभ किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण व इसके बचाव के लिए अपनाई जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाना व उन्हें क्रियान्वित रूप देना है। प्रोजेक्ट अमृत के रांची शहर में संत निरंकारी मिशन के करीब 200 सेवादार सुबह 8 बजे से 10:30 बजे तक अरगोडा.तालाब परिसर की सफाई और तालाब के आस-पास जमी हुई गंदगी व तालाब के किनारे पर फैले कचरे को साफ करके स्वच्छता का संदेश देंगे। मिशन का उद्देश्य जल बचाओ कल बचाओ स्वच्छ जल स्वस्थ कल संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन पूरे देशभर में 1100 स्थानों पर 27 राज्यों में प्रोजेक्ट अमृत के तहत अपना योगदान देगा।

एक नजर

बीपीओ के द्वारा प्रखंड सभागार में प्रशिक्षण दिया गया

जलडेगा : प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रधानाध्यापक, शैक्षणिक प्रशासक एवं अभिभावकों को प्रशिक्षण प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनमोहन कुमार गोस्वामी, रिसोर्स शिक्षक रोहित, प्रदीप कुमार पटेल द्वारा दिया गया तथा कुल इक्कीस तरह के दिव्यांग बच्चों के विषय पर कैसे मुख्य धारा में जोड़ा जाय तथा उनके साथ कैसे व्यवहार किया जाय,के विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई, दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उनका कौशल विकाश पर जोर दिया जाए। साथ ही सी श्री के कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति को कैसे शसक्त बनाया जाए। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हेल्थ और वेलनेस पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया और रूम टू रीड से केशव तिवारी द्वारा एफ एल एन के विषय तथा निपुण भारत कार्यक्रम के बारे में विद्यालय वार विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर प्रधानाध्यापक कुमुद रंजन, सुनील कुंडलना, फुलेंद महतो, रॉबर्ट समद, मांगा मुंडा, शेखर महतो,आदि उपस्थित थे।

नन्हे रोजेदारों ने रखा पहला रोजा क्षेत्र में इबादत और भाईचारे का माहौल

मरकच्चो : प्रखंड क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय का पाक पवित्र महीना रहमत,बरकत,बख्शीश का महीना माह ए रमजान चांद नजर आते ही अकीदत के साथ रोजा ,नमाज, तरावी, सेहरी इफ्तार व इबादत का दौर शुरू हो गया है। माह ए रमजान का पहला अशरा और पहला जुम्मा मस्जिदों में और दुसरा रोजा अदा कर क्षेत्र समेत देश व दुनिया की अमन व चयन तरक्की की सामुहिक रूप से अल्लाह की बारगाह में दूवाएं मांगें। इसी मुबारक मह के बीच क्षेत्र के नन्हे रोजेदार 7वर्ष के दानिश और 8 वर्ष के असद खान ने हौसले के साथ पहला व दुसरा रोजा रखा। इन्होंने सुबह उठकर परिजनों के साथ सेहरी की और पूरे दिन सब्र के साथ रोजा निभाया। इतनी कम उम्र में उसकी धार्मिक भावना और उत्साह को देखकर परिजन गर्व महसूस कर रहे हैं। और मोहल्ले के लोगों ने भी उसकी हौसला अफजाई करते हुए दुवाएं देते हुवे कहा की रमजान का महीना त्याग, बलिदान,संयम और इंसानियत का संदेश देता है इस दौरान रोजा नमाज कुरआन की तिलावत और जरूरतमंदों की मदद पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस मुबारक महीना के मौके पर पहले और दुसरे ही दिन उत्साह के साथ क्षेत्र में भाई चारे और आस्था का माहौल समुदाय में चहल-पहल जारी है।

दाखिल खारिज और ऑनलाइन दर्ज कराने में लोगों को होती है परेशानी : डॉ नीरा

कोडरमा : पूरे राज्य में लोगों को जमीन निबंधन के बाद दाखिल खारिज कराने या अन्य प्रमाण पत्र लेने में महीनों लग जाता है और बिना अतिरिक्त राशि या घुस दिए लोगों का काम नहीं होता है। राज्य में राइट टू सर्विस एक्ट लागू है पर इसकी जानकारी आम लोगों को नहीं है। उक्त मामले को कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने शुक्रवार को विधानसभा में रखा। उन्होंने कहा कि इस वजह से राज्य के आम लोगों खासकर गरीब तबके के लोगों को काफी कठिनाई होती है। बार बार उन्हें अंचल कार्यालय दौड़ना पड़ता है।

मरकच्चो में बाल विवाह उन्मूलन पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला, 100 दिवसीय अभियान को मिला बल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चल रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत कोडरमा जिले के आकांक्षी प्रखण्ड मरकच्चो के प्रखण्ड सभागार में बाल विवाह उन्मूलन एवं बाल विवाह मुक्त प्रखण्ड के निर्माण हेतु प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी हुलाश महतो, बाल संरक्षण पदाधिकारी अर्चना ज्वाला, जिला परियोजना सहयोगी मो. आरिफ अंसारी, ग्राम पंचायतों के मुखियाओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी हुलाश महतो ने अपने संबोधन में कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध है, जो बच्चों के भविष्य, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसकी सूचना को छिपाना भी अपराध की श्रेणी में आता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें और इसे रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बाल संरक्षण पदाधिकारी अर्चना ज्वाला ने कहा कि बाल विवाह की समाप्ति केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की जागरूकता एवं सहभागिता अनिवार्य है। सामूहिक प्रयास ही इस कुप्रथा को जड़ से समाप्त कर सकते हैं। जिला परियोजना सहयोगी (ए.वी.ए) मो. आरिफ अंसारी ने पीपीटी एवं लघु वीडियो के माध्यम से बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों, इसके दुष्परिणामों तथा रोकथाम में विभिन्न हितधारकों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत एवं प्रभावी जानकारी प्रस्तुत की। जामू ग्राम पंचायत की मुखिया नीता कुमारी ने पंचायत स्तर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता से इस कुरीति पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यशाला के अंत में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को बाल विवाह के विरुद्ध सामूहिक शपथ दिलाई गई । इस कार्यशाला में बाल विवाह निषेध पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि, धर्म गुरु एवं अन्य हितधारक समूहों की सक्रीय भागीदारी रही।

संक्षिप्त खबरें

नगरपालिका आम चुनाव को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई

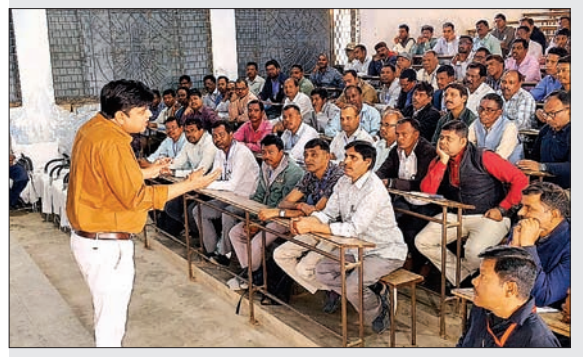

सिमडेगा : नगरपालिका आम चुनाव 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपादन को लेकर सिमडेगा महिला महाविद्यालय, सलडेगा में सभी मतदान कर्मियों तथा सेक्टर पदाधिकारी/सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बार चुनाव मतपत्र पेटी के माध्यम से संपन्न कराया जाना है, जिसके मद्देनजर प्रशिक्षण में विशेष रूप से मतपत्र आधारित मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री पवन कुमार महतो एवं मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतपत्र वितरण, मतपत्र पर मुहर लगाने की विधि, गोपनीयता बनाए रखने, मतपेटी को सील करने की प्रक्रिया तथा मतदान समाप्ति के बाद सुरक्षित जमा करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही मतदान केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता एवं संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ भव्य कलशयात्रा के साथ किया गया शुभारंभ

जलडेगा : प्रखंड के ओड़गा पंचायत अंतर्गत ओड़गा कुम्हार टोली गांव में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ भव्य कलशयात्रा के साथ शुभारंभ किया गया। कलशयात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं हाथों में भगवा ध्वज लिए हर हर महादेव,जय भोलेनाथ, जय श्री राम सहित विभिन्न जयघोष तथा भजन कीर्तन करते हुए पंडित मदन मिश्रा तथा यजमान मिलु महतो के उपस्थिति में देव नदी से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में पवित्र जल लेकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शिव मंदिर ओड़गा स्थित यज्ञ स्थल पर कलश स्थापित किया गया। शनिवार को सुबह 8 बजे से 24 घंटे का अंखड हरि कीर्तन का शुभारंभ किया जाएगा तथा रविवार को अखंड हरि कीर्तन का समापन पश्चात नगर भ्रमण, हवन पुणार्हुति एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा,तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों का सहारणीय योगदान रहा।

आगामी नगरपालिका निर्वाचन-2026 के मद्देनजर संक्षिप्त ब्रिफिंग कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सिमडेगा : पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा श्रीकान्त एस0 खोटरे के द्वारा निष्पक्ष एवं शांतीपूर्ण चुनाव हेतु मतदान केन्द्रों में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों/पुलिस कर्मियों को चुनाव के संबंध में विस्तार से ब्रीफ किया गय। जिला के सभी मतदान केन्द्रों में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को आपस में टैग कराया गया तथा विधिवयवस्था एवं सुरक्षा वयवस्था संधारन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त ब्रीफिंग कार्यक्रम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक, सार्जेन्ट मेजर, सिमडेगा, अन्य पदाधिकारीगण, मतदान केन्द्रों में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी, चौकीदार एवं होमगार्ड के जवान शामिल थे।

विजय उरांव की सेवानिवृति के अवसर पर विदाई समारोह का किया गया आयोजन

सिमडेगा : जिले में ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल सिमडेगा के अधीनस्त कार्यरत विजय उरांव की सेवानिवृत्त के अवसर पर एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह की अध्यक्षता झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला सचिव सुशील कुमार सिंह ने की। सुशील कुमार सिंह ने कहा कि विजय उरांव विभाग में लगभग 37 वर्षों तक शानदार रूप से कार्य किया है। ये अच्छे स्वभाव मिलनसार एवं कर्मठ कर्मचारी के रूप में जाने जाएंगे। उनका व्यवहार प्रशंसीय रहा। उन्होंने उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यपालक अभियंता रामनरेश शरण ने कहा कि विजय उरांव की सेवानिवृति से हम एक कर्मठ कर्मचारी को खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका कार्य करने की शैली प्रशंसा का पात्र था। वे हमेशा विभाग की कार्यों की प्रति सजग रहते थे। विजय उरांव की जीवन को ईश्वर लंबी रखें यही हमारी कामना है। बैठक में सहायक अभियंता आकाश लकड़ा, सुभाष मुंडा, कनीय अभियंता विपिन कीड़ो, आनन्द मिश्रा, दीपक कुमार, ओमप्रकाश सिंह, नंदकिशोर चौरसिया, कृष्णकांत सिन्हा, लेखा पदाधिकारी अनिल कुमार डहंगा, सुबोध कुमार, कर्मचारी दीपक साहू, विनोद टेटे, विजय उरांव आदि ने अपने अपने विचार रखे एवं उन्हें कुशल कर्मचारी कहा। अंत में सभा का समापन शुशील कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

कस्तूरबा विद्यालय मरकच्चो में आई ड्रॉप से छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, जांच के आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : कस्तूरबा गांधी आवसीय बालिका विद्यालय मरकच्चो में 2 दिन पूर्व आयोजित स्वास्थ्य शिविर के दौरान आंखों की जांच में दी गई आई ड्रॉप से कई छात्राओं को परेशानी हो गई। ड्रॉप डालने के कुछ ही देर बाद छात्रों के आंखों में जलन, धुंधलापन, और दर्द की शिकायत होने लगी। जानकारी के अनुसार मेडिकल टीम के द्वारा नियमित जांच के तहत छात्राओं की आंखों की जांच की गई। इसी क्रम में छात्राओं को आई ड्रॉप दी गई। आई ड्रॉप डालने के बाद कई छात्राओं की तबीयत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रबंधन सक्रिय हुआ और प्रभावित छात्रों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिलाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर शुक्रवार को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी हुलास महतो विद्यालय पहुंचकर पीड़ित बारहवीं वर्ग की छात्रा शबनम कुमार, 9वीं वर्ग की छात्रा सुनैना कुमारी, नीलम कुमारी से भेंट कर उनका हाल चाल जाना। मामले को लेकर अभिभावकों में नाराजगी देखी गई। उनलोगों ने बिना पूरी जांच की दवा या ड्रॉप के प्रयोग पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल सभी प्रभावित छात्राओं की स्थिति सामान्य है और उनका इलाज जारी है।

नगर अध्यक्ष पद की प्रत्याशी सुषमा सुमन का जनसंपर्क अभियान तेज, विकास के वादों के साथ मांगा जनसमर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : नगर अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी कड़ी में नगर अध्यक्ष पद की सशक्त व एक मात्र महिला प्रत्याशी सुषमा सुमन ने नगर क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान सह रैली निकाला। उन्होंने सुबह से नगर के विभिन्न वार्डों, मोहल्लों, बाजारों और प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण कर मतदाताओं को रिझाया और अपने लिए समर्थन मांगा। नगर भ्रमण के दौरान सुषमा सुमन ने महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों से कहा कि नगर की मूलभूत समस्याओं–जैसे स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं–का स्थायी समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि जनता ने उन्हें नगर अध्यक्ष के रूप में चुना, तो नगर को एक स्वच्छ, सुंदर और विकसित नगर के रूप में स्थापित किया जाएगा। सुषमा सुमन ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में कंप्यूटर माउस छाप चुनाव चिन्ह पर मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर माउस छाप प्रगति, तकनीक और आधुनिक सोच का प्रतीक है, और यही सोच नगर के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी और नगर में विकास की क्रांति लाएगी। जनसंपर्क के दौरान जगह-जगह लोगों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। स्थानीय नागरिकों ने उनके व्यवहार, सरलता और शिक्षित नेतृत्व की सराहना की। कई स्थानों पर महिलाओं और युवाओं ने खुलकर समर्थन जताया और जीत का भरोसा दिलाया।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर अतिथि व्याख्यान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : संत जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आईक्यूएसी के तत्वावधान में विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था - "सामाजिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए नवीनीकृत प्रतिबद्धता" कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिवक्ता एलेक्स जॉनसन केरकेट्टा ने सामाजिक न्याय की अवधारणा पर विस्तृत एवं सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय संविधान में निहित न्याय, समानता एवं स्वतंत्रता के सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए विभिन्न भारतीय अधिनियमों तथा मौलिक अधिकार और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के माध्यम से सामाजिक न्याय की स्थापना पर प्रकाश डाला। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, महिला संरक्षण कानून, श्रम कानून तथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधानों का उल्लेख करते हुए बताया कि ये कानून समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने भी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. जयंन्त कुमार कश्यप ने अपने संबोधन में सामाजिक न्याय को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक रोशन किशोर गिद्ध ने सामाजिक न्याय के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक अजय कुमार, डॉ. निशा रानी धनवार उपस्थित थे। राजनीति विज्ञान की छात्रा प्रतिभा मिंज ने मंच संचालन किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

बेरोजगारी पर सदन में सवाल, विधायक ने कौशल विकास की प्रभावशीलता पर उठाए प्रश्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : विधायक भूषण बाड़ा ने विधानसभा सत्र में जिले में बेरोजगारी और कौशल विकास की वास्तविक स्थिति को लेकर सवाल पूछा है। साथ ही बेरोजगारी दूर करने एवं युवाओं को स्किल्ड करते हुए स्वरोजगार से जोड़ने की मांग की है। विधायक भूषण बाड़ा द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में सरकार ने बताया कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और पलायन रोकने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बताया कि झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें नौकरी एवं स्वरोजगार से जोड़ना है। इसी दिशा में जिले में कुल आठ प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें दो मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत और छह बिरसा योजना के तहत। वर्ष 2017 से अब तक 7,914 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 5,296 को प्रमाणपत्र और 3,252 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। विधायक ने सवाल उठाया कि क्या ये कौशल केंद्र केवल खानापूर्ति के लिए चल रहे हैं और क्या युवाओं के लिए स्किल विकास का लक्ष्य अधूरा रह गया है। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण नियमित रूप से संचालित हो रहा है और सभी प्रखंडों में बिरसा योजना के केंद्र सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

भव्य कलश यात्रा का आयोजन भक्तिमय हुआ पूरा धरगांव पंचायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत धरगांव पंचायत के नीचे टोला में श्री श्री 1008 नौवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रूद्र यज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन 20 फरवरी 28 फरवरी तक होना है.20 फरवरी को भव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ,आयोजन को लेकर श्रद्धालु भक्तों में उत्साह उमंग देखा गया.कलश यात्रा कार्यक्रम में लगभग 600 श्रद्धालु भक्त माताएं बहने माथे पर कलश लेकर ओम नमः का जाप करते हुए 12 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर अपने जीवन को चरितार्थ की.कलश यात्रा कार्यक्रम का उद्घाटन कोडरमा ध्वजा धारी आश्रम के महामंडलेश्वर महाराज सुखदेव जी के कर कमलो से फीता काटकर किया गया. उद्घाटन कार्यक्रम में कोडरमा जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव,पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह झारखंड मुक्ति मोर्चा नेत्री शालिनी गुप्ता,कोडरमा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष यादव,राजद जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव,जिप सदस्य लक्ष्मण यादव के साथ-साथ मुखिया,पंचायत समिति सदस्य, उप मुखिया, वार्ड सदस्य ,समाजसेवी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलश यात्रा का शुभारंभ यज्ञ स्थल से होते हुए सूर्या चौक, पंचवासी नगर, क्रांति चौक, दुर्गा मंडप अडवारिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय धरगांव, राजनगर धरगांव, तिवारी टोला, मुखिया जी का बागान, पोखरिया, फुलवरिया दुर्गा मंडप,शिव नगर फुलवरिया मिडिल स्कूल फुलवरिया काली मंडा फुलवरिया पुनादी चौक पुरनाडीह, दुर्गा मंडप नवादा चौक से होते हुए उत्तर वाहिनी नदी में कलश में जल को भरा गया। कलश कार्यक्रम में भाग लेने वाली माताएं बहने माथे पर कलश में जल लेकर मंद मंद चाल चलते हुए मन ही मन ओम नमः शिवाय का जाप करते हुए नवादा बस्ती, नवादा चौक, भगलूडीह, तारा बाबा,सूर्या चौक होते हुए यज्ञ स्थल पर आए, जगह-जगह पर श्रद्धालु भक्तों के लिए शरबत नींबू पानी की व्यवस्था किया गया,वहीं फुलवरिया शिवनगर में श्रद्धालु भक्तों के ऊपर पुष्प बारिश भी किया, काली मंडा फुलवरिया के प्रांगण में समिति के द्वारा शरबत का भी व्यवस्था किया गया,नवादा बस्ती में श्रद्धालु भक्तों के लिए गुड दही का शरबत का पान कराया गया,श्रद्धालु भक्त डीजे की धुन पर खूब नाचे गाए,जय जयकारा से पूरा गांव,पड़ोसी गांव भक्तिमय हो गया.यज्ञ स्थल पर प्रसाद के रूप में श्रद्धालु भक्तों को खीर का वितरण किया गया.भव्य कलश यात्रा का चर्चा चौक चौराहे पर खूब हो रही है.नवलशाही थाना पुलिस प्रशासन सुरक्षा को लेकर चौकस रहे।

एक नजर

जुबिली पार्क 21 फरवरी से सात मार्च तक रहेगा बंद

पूर्वी सिंहभूम : शहर का प्रमुख आकर्षण और हर आयु वर्ग के लोगों का पसंदीदा पर्यटन स्थल जुबिली पार्क को संस्थापक दिवस समारोह की तैयारियों के मद्देनजर अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 21 फरवरी से सात मार्च तक आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इस अवधि में पार्क के सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, रंग-रोगन, उद्यानों की विशेष देखरेख और विद्युत सज्जा का कार्य युद्धस्तर पर किया जाएगा। हर वर्ष संस्थापक दिवस के अवसर पर जुबिली पार्क को आकर्षक रोशनी और थीम आधारित सजावट से सजाया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी पूरे पार्क परिसर में आधुनिक एलईडी लाइटिंग, रंग-बिरंगे सजावटी फव्वारे और विशेष प्रवेश द्वार तैयार किए जा रहे हैं। पार्क प्रशासन के अनुसार 2 मार्च से लाइटिंग व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी, जिसके बाद आम लोग पार्क में प्रवेश कर सजी-धजी खूबसूरती का आनंद ले सकेंगे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम : साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत साकची गोलचक्कर के पास गुरुवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान परशुडीह थाना क्षेत्र के हलुदबनी नामोटोला निवासी शुभ्रज्योती नंदी के रूप में हुई है। वह आदित्यपुर में एक निजी कंपनी में कार्यरत था और पार्ट टाइम में जोमैटो में डिलीवरी का काम भी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 19 फरवरी 2026 की रात करीब 11:10 बजे की है। शुभ्रज्योती नंदी अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान साकची गोलचक्कर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पंकज बर्णवाल के समर्थन में निकली मोटरसाइकिल रैली, दिखा जनसमर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पंकज बर्णवाल के समर्थन में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के नेतृत्व में शुक्रवार को शहर के सभी 28 वार्डों में भव्य मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली में सैकड़ों कार्यकताओं और समर्थकों की भागीदारी से पूरा शहर चुनावी रंग में रंगा नजर आया। विभिन्न इलाकों में लोगों ने उत्साहपूर्वक रैली का स्वागत किया, जिससे प्रत्याशी के प्रति बढ़ते जनसमर्थन की स्पष्ट झलक देखने को मिली। रैली की शुरूआत चुनाव कार्यालय से हुई। इसके बाद गांधी स्कूल रोड, गुमो, नवादा बस्ती, आश्रम रोड, फुटानी चौक, साईं आयरन, तिलैया बस्ती, इन्दवा बस्ती, असनाबाद, राम-लखन कॉलेज रोड, झलपो मोरियामा, सीएच स्कूल रोड, पूर्णिमा टॉकिज, झंडा चौक, ओवरब्रिज, मदुआ टांड़ और गौशाला रोड सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः चुनाव कार्यालय पहुंचकर रैली का समापन हुआ। पूरे मार्ग में समर्थकों ने ह्यबैटरी टॉर्चह्ल के समर्थन में नारे लगाए और पंकज बर्णवाल को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया।और आह्वान किया कि हमारी जीत होने पर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाएँगे तथा खेल के लिए स्टेडियम बनवाकर शिक्षित ट्रेनर के द्वारा बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा ।और शहर एक विवाह भवन बनवा दिया जाएगा जिससे समाज को लाभ मिल सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास के लिए पंकज बर्णवाल सबसे योग्य प्रत्याशी हैं। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे चुनाव चिह्न 'बैटरी टॉर्च' पर मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। पंकज बर्णवाल ने कहा कि उन्हें शहर की जनता का अपार स्नेह और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता का आशीर्वाद मिलने पर वे ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए झुमरीतिलैया को स्वच्छ, जाममुक्त और भ्रष्टाचारमुक्त शहर बनाएंगे। उन्होंने नगर परिषद को विकास और सुशासन का मॉडल बनाने का संकल्प दोहराया। संयोजक नितेश चन्द्रवंशी ने कहा शिक्षित अध्यक्ष बनने से सभी क्षेत्रों में विकास होगा इसलिये आप सभी से निवेदन है टॉर्च छाप पर मुहर लगाकर पंकज वर्णवाल को विजयी बनाएं ।मोके पर सुभाष मोदी, प्रभारी अंबिका सिंह, अर्जुन साव, देवनारायण मोदी, चन्द्रशेखर जोशी, महादेव दास, हरि पंडित, मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी, इन्द्रदेव बर्णवाल, राजेंद्र सिंह, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने सदन में उठाया जाल्ला कॉलेज के सरकारीकरण की मांग

पटमदा : षष्ठम झारखण्ड विधानसभा के पंचम सत्र के शून्यकाल के दौरान जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के विधायक मंगल कालिंदी ने पटमदा डिग्री कॉलेज, जाल्ला के सरकारीकरण की महत्वपूर्ण मांग सदन में उठाई। विधायक ने अपने वक्तव्य में कहा कि जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के सुदूरवर्ती, ग्रामीण एवं आदिवासी बहुल क्षेत्र में स्थित पटमदा डिग्री कॉलेज, जाल्ला एकमात्र स्थायी संबद्धता प्राप्त एवं नेक से 'बी' ग्रेड मान्यता प्राप्त महाविद्यालय है। यह महाविद्यालय झारखण्ड सरकार से अनुदानित है तथा सरकार द्वारा निर्धारित सभी आवश्यक मापदंडों को पूर्ण करते हुए निरंतर क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने आसन के माध्यम से राज्य सरकार से आग्रह किया कि लोकहित एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए इस महाविद्यालय का शीघ्र सरकारीकरण किया जाए, ताकि क्षेत्र के गरीब, ग्रामीण एवं आदिवासी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उच्च शिक्षा का लाभ मिल सके। विधायक मंगल कालिंदी ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए इस मांग पर अविलंब कार्रवाई करेगी। विधायक मंगल कालिंदी द्वारा जाल्ला कॉलेज के सरकारीकरण की मांग का स्वागत करते हुए कॉलेज के सचिव सह विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कॉलेज परिवार की तरफ से विधायक का आभार प्रकट किया।

झारखंड पशुपालन ए आई कर्मचारी संघ ने डुमरी विधायक जयराम महतो को सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर : विधानसभा सत्र के दौरान डुमरी विधायक जयराम महतो को झारखंड एआई कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा चार सूत्री मांग पत्र सौंपते हुए अपने आवाज को विधानसभा में चल रहे सत्र में आवाज को रखने की मांग की। डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो ने संघ के सभी पदाधिकारी से उनकी मांगों के साथ सदन में उनकी आवाज को बुलंद करने का आश्वासन दिया। जानकारी देते हुए संघ के प्रदेश महासचिव किशोर कुमार तिवारी ने बताया कि झारखंड एआई कर्मचारी संघ के मांगो को विधायक जयराम महतो द्वारा विधानसभा के पटल पर एक जोरदार आवाज के साथ रखते हुए हमारे मांगो से सरकार को अवगत करवाने का आश्वासन मिला हैं। संघ को जल्द से जल्द उनके मांगो पर सरकार द्वारा विचार करने की आशा है। संघ द्वारा जयराम महतो को ज्ञापन सौंपने वालो में प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार,महासचिव किशोर कुमार तिवारी,कोषाध्यक्ष सुबोध बड़ाईक,फूलकुमारी,पवन पाण्डेय, अमित कुमार, अभिषेक कुमार शामिल थे।

बोड़ाम थाना क्षेत्र में बड़े मात्रा में हो रही थी अफीम की खेती प्रशासन ने फसल पर चलाया ट्रैक्टर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : शुक्रवार को बोड़ाम थाना क्षेत्र कुइयाईनी पंचायत के रिमडाडीहा गांव में बोड़ाम अंचलाधिकारी रंजीत रंजन और डीएसपी वचनदेव कुजूर के नेतृत्व में अभियान चलाकर किसान सोहन सिंह के जमीन पर बड़ी संख्या में उपजाया गया अफीम की खेती को ट्रेक्टर लगाकर रौंदवाया गया।वही बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार द्वारा सोहन सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ किया जा रहा हैं। बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार ने बताया कि अफीम खेती की सूचना पुलिस को गुप्त आधार पर मिली। पुलिस द्वारा करीब डेढ़ बीघा भूमि में तैयार अफीम की फसल को टैक्टर चलवाकर नष्ट किया गया।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि खेती पहली बार की गई है। पुलिस ने आरोपी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेजने की बात कही। अभियान में पटमदा डीएसपी वचनदेव कुजूर, सीओ रंजीत रंजन, थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार एवं बोड़ाम के सशस्त्र बल शामिल थे।

जिंदल स्टील ने सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक में बनाई जगह स्टील सेक्टर की चुनिंदा 11 कंपनियों में हुआ शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिंदल स्टील लिमिटेड ने कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना स्कोर 30 से बढ़ाकर 72 कर लिया है। 42 अंकों की यह उल्लेखनीय छलांग कंपनी की सुदृढ़ नीतियों, पारदर्शिता और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वर्ष 2025 के प्रदर्शन के आधार पर कंपनी को स्टील उद्योग की 2026 सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक में सदस्यता प्रदान की गई है। वैश्विक स्तर पर 9,200 से अधिक कंपनियों के आकलन के बाद 59 उद्योगों की 848 कंपनियों को इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला। स्टील सेक्टर की 129 कंपनियों में से मात्र 11 कंपनियां ही चयनित हो सकीं, जिनमें जिंदल स्टील भी शामिल है। कंपनी ने 96 प्रतिशत सार्वजनिक प्रकटीकरण दर हासिल करते हुए "वेरी हाई" डेटा उपलब्धता स्तर प्राप्त किया। पारदर्शिता एवं रिपोर्टिंग श्रेणी में कंपनी को 100 में से पूर्ण 100 अंक मिले, जबकि उद्योग औसत 46 रहा। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने डबल मैटेरियलिटी असेसमेंट पूरा किया, TNFD मानकों के अनुरूप जैव-विविधता जोखिम की समीक्षा की और जलवायु जोखिम को एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट प्रणाली में शामिल किया। कठिन-उत्सर्जन वाले उद्योग में कार्यरत होने के बावजूद कंपनी को एनवायरनमेंटल पॉलिसी एवं मैनेजमेंट में 99/100 तथा क्लाइमेट गवर्नेंस और TCFD अनुपालन में 100/100 अंक प्राप्त हुए। कंपनी ने वर्ष 2047 तक नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और वर्ष 2005 के आधार स्तर की तुलना में 2030 तक CO_2 उत्सर्जन तीव्रता में 30 प्रतिशत कमी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, सर्कुलर इकोनॉमी और जल संरक्षण परियोजनाओं में निवेश बढ़ाया जा रहा है।

शीर्ष नेतृत्व की ताबड़तोड़ सक्रियता के बावजूद भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में जमीनी लहर नदारद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राज्य में नगर निकाय चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आगामी 23 फरवरी को प्रस्तावित नगर पालिका चुनाव के तहत रामगढ़ नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए मुकाबला रोचक और बहुस्तरीय होता जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपने-अपने समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में ताकत झोंक दी है, जिससे चुनावी परिदृश्य बहुकोणीय बन गया है। रामगढ़ नगर परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, जेएलकेएम तथा भाकपा माले ने अपने-अपने उम्मीदवारों को समर्थन दिया है। दलों की सक्रियता और बहुदलीय प्रतिस्पर्धा ने चुनाव को अत्यंत दिलचस्प बना दिया है। भाजपा ने अपने समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में प्रदेश स्तर के कई दिग्गज नेताओं को चुनावी मैदान में उतारा है। प्रदेश अध्यक्ष, विधायक दल के नेता, सांसद तथा अन्य वरिष्ठ नेता लगातार जनसंपर्क और सभाओं के माध्यम से माहौल बनाने में जुटे हैं। पार्टी की रणनीति स्पष्ट रूप से उच्चस्तरीय नेतृत्व के प्रभाव को भुनाने पर केंद्रित दिखाई देती है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शीर्ष नेतृत्व की सक्रियता के बावजूद अपेक्षित जनाधार का संवेग अभी तक स्पष्ट रूप से परिलक्षित नहीं हो पा रहा है। स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक पकड़ अपेक्षाकृत कमजोर नजर आ रही है। जमीनी कार्यकताओं की सक्रियता सीमित बताई जा रही है, जिसके कारण आम मतदाताओं तक प्रभावी पहुंच स्थापित करने में कठिनाई हो रही है। सूत्रों के अनुसार, बूथ स्तर पर समन्वय और मतदाता संपर्क की गति उतनी सशक्त नहीं है, जितनी किसी निर्णायक चुनावी माहौल के निर्माण के लिए आवश्यक मानी जाती है। परिणामस्वरूप, शीर्ष नेताओं की सभाओं और प्रचार अभियानों के बावजूद व्यापक जनसमर्थन की स्पष्ट लहर फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है।

सिल्ली रांगामाटी मार्ग पर सिंह लाइन होटल का शुभारंभ, राहगीरों को मिलेगी सुविधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : रांगामाटी सड़क पर बड़ा चुनचुड़ीया गांव के पास शुक्रवार को सिंह लाइन होटल का उद्घाटन पत्रकार सह समाजसेवी अरूण कुमार माझी ने फीता काट कर किया। लाइन होटल खोलने से सुनसान सड़क पर रात को जहां चहल-पहल रहेगा वहीं दुरगामी वाहनों को ठहरने एवं खाने का समस्या से निजात मिलेगी। वहीं अरूण कुमार माझी ने कहा कि दुर दुर तक कोई होटल,ढाबा नहीं है, जिससे सुनसान सड़क पर रात को छीनताई आदि से निजात मिलेगी एवं दुरगामी वाहनों को खाने के लिए सहुलियत होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में होटल में वाहनों का ठहराव होने से क्षेत्र के लोगों को वीरान और सुनसान जगह में डर का माहौल से निजात मिलेगी। मौके पर करम गोप, ग्राम प्रधान नगेन सिंह मुण्डा, छुटु सिंह मुण्डा आदि उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कोडरमा
समाहरणालय भवन, राँची पटना रोड, कोडरमा– 825410, झारखण्ड
ई–मेल kodermarmsa@gmail.com
–:: अतिअल्पकालीन निविदा सूचना ::–

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक 5063 दिनांक 26.11.2026 एवं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय ज्ञापांक 179 दिनांक 11.02.2026 के द्वारा खेल सामग्री, बैण्ड यूनिफॉर्म एवं विद्यालय सौंदर्यिकरण हेतु अतिअल्पकालीन निविदा प्रकाशित किया गया है। निविदा को जमा करने की अंतिम तिथि 28.02.2026 के अपराह्न 12:00 बजे तक एवं निविदा खोलने की तिथि दिनांक 28.02.2026 को अपराह्न 02:00 बजे निर्धारित की गयी है। विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट– **www.koderma.nic.in** पर उपलब्ध है।

ह0/–
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा कोडरमा।

PR 373415 Jharkhand Education Project Council(25-26)D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, राँची
मध्य विद्यालय बी०एम०पी०–1 डोरण्डा परिसर, राँची–834002
Email - jepranchi@gmail.com

मेधावी छात्र/छात्राओं के शैक्षणिक भ्रमण हेतु अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक 5094 दिनांक 27.11.2025 के आलोक में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत् जिले में अध्ययनरत कक्षा 6 से 8 तक के 200 छात्र–छात्राओं को राज्य के अंदर शैक्षणिक भ्रमण कराया जाना है।

सभी प्रतिभागियों (200 बच्चों) को दो रात तीन दिन तक जमशेदपुर एवं राँची के विभिन्न शैक्षणिक/दर्शनीय स्थलों (कम से कम 05 शैक्षणिक/दर्शनीय स्थल) का सुरक्षापूर्ण/आरामदायक भ्रमण हेतु इंडियन टूरिज्म या झारखण्ड पर्यटन से निबंधित संस्थान/Agencies (Including all time like Fooding Accommodation) से द्विलिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा के सभी शर्तों के निमित राँची के वेबसाईट https://ranchi.nic.in में देखा जा सकता है।

निविदा प्रपत्र दिनांक 21.02.2026 के पूर्वाह्न 10:30 बजे से दिनांक 28.02.2026 के अपराह्न 01:00 बजे तक जिला कार्यालय, मध्य विद्यालय बी०एम०पी०–1 डोरण्डा परिसर, राँची– 834002 से 500/– (पाँच सौ रूपये) डिमाण्ड ड्राफ्ट जो Jharkhand Education Project, Ranchi के नाम से जमा कर प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है।

पूर्ण रूप से भरा हुआ निविदा प्रपत्र दिनांक 28.02.2026 के अपराह्न 02:00 बजे तक जमा लिया जायेगा तथा निविदा उक्त तिथि को ही क्रय समिति के समझ अपराह्न 02:30 बजे खोली जायेगी।

ह०/–
जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
राँची

PR 373368 (Human Resource Developement)25-26*D

चोरधरा में सार्वजनिक जमीन पर फ्लाई ऐश डंपिंग का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत चोरधरा पंचायत में स्थित छिन्नमस्तिका प्लांट हेहल पर सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से फ्लाई ऐश डंपिंग करने का गंभीर आरोप लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट प्रबंधन द्वारा रात के अंधेरे में ट्रकों के माध्यम से खाली पड़ी पंचायत भूमि पर फ्लाई ऐश गिराया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में पर्यावरणीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पंचायत की खाली जमीन पर लगातार डंपिंग के कारण वहां फ्लाई ऐश का बड़ा ढेर जमा हो गया है, जो धीरे-धीरे पहाड़ी का रूप लेता जा रहा है। इससे आसपास के इलाकों में धूल प्रदूषण बढ़ रहा है और वायु गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इससे पेयजल स्रोत भी दूषित हो सकते हैं तथा पशु-पक्षियों और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि सुनसान समय में ट्रकों के जरिए डंपिंग कर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों–मुखिया जयनारायण प्रसाद सहित बिट्टू कुमार, ललित नायक, बीरबल तुरी, सुलेन्द सावं, दिलीप कुमार, दीपक कुमार और मुनेशर कुमार–ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। पंचायत प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि अवैध रूप से डंप किए गए फ्लाई ऐश को शीघ्र हटाया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निगरानी तथा दंडात्मक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पर्यावरण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थल निरीक्षण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायत स्तर पर जनआंदोलन शुरू किया जाएगा और विधिसम्मत कदम उठाए जाएंगे। पंचायत ने स्पष्ट किया है कि वह अपने क्षेत्र की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है तथा किसी भी संस्था को सार्वजनिक भूमि को प्रदूषित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 30/2025–26
DMFT मद

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 27.02.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनो को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 28.02.2026 को 2.00 बजे अपराहन तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 28.02.2026 के 4.00 बजे अपराहन ।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिकी का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियन्ता, पेयजल एवं स्व0 अवर प्रमण्डल सं0–1 गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (के) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल, गुमला।

कार्य की विवरणी

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	चैनपुर प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत जनावल में लुपुंगपाट खास–01 में जलापूर्ति योजना का Retrofitting work.	8,09,344.00	16,500.00	1250.00	01 Month
2	चैनपुर प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत जनावल में लुपुंगपाट खास–02 में जलापूर्ति योजना का Retrofitting work.	7,91,464.00	16,000.00	1250.00	01 Month

निविदा की नियम एवं शर्ते :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गुमला।

PR 373398 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

पृथ्वी की निचली कक्षा में अदृश्य की निगरानी

पृथ्वी की निचली कक्षा के शांत, निर्वात-भरे विस्तार में छुपा-छुपी का एक उच्च-दांव वाला खेल चल रहा है। आज अरबों डॉलर के उपग्रहों से लेकर अंतरिक्ष मलबे के नुकीले टुकड़ों तक 24,000 से अधिक वस्तुएं शून्य में तेजी से दौड़ रही हैं। पांच वर्षों के भीतर यह संख्या 70,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। देशों के लिए चुनौती अब केवल भीड़ और टक्कर के जोखिम का प्रबंधन करना नहीं रह गई है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उनकी संपत्तियां शत्रुतापूर्ण या दुष्ट तत्वों द्वारा जानबूझकर किए जाने वाले हस्तक्षेप से सुरक्षित रहें। विवादित वातावरण में केवल रडार पर किसी वस्तु को देखना ही नहीं, बल्कि उसके इरादे को समझना भी आवश्यक है। जब कोई उपग्रह नहीं चाहता कि उसे पाया जाए, या जब वह कोई अप्रत्याशित युद्धाभ्यास करता है, तो पारंपरिक जमीनी-आधारित ट्रैकिंग अक्सर विफल हो जाती है। इस अंतर को पाटने के लिए, अमेरिका के रक्षा विभाग की डिफेंस इनोवेशन यूनिट ने यूएस स्पेस फोर्सेज-इंडो-पैसिफिक और स्पेस डोमेन अवेयरनेस टूल्स, एप्लिकेशन्स एंड प्रोसेसिंग लैब के साथ साझेदारी में तथा भारत की इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सीलेंस के समर्थन से, "ड्यूल होराइजन्सः यूएस-इंडिया सैटेलाइट ट्रैकिंग चैलेंज" शुरू किया, जो अंतरिक्ष-डोमेन जागरूकता की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने का एक द्विपक्षीय प्रयास है। समस्या को समझने के लिए कल्पना कीजिए कि बिना कैमरों या जीपीएस के एक रेगिस्तान में एक स्वचालित वाहन चलाया जा रहा है। उसके स्थान की पुष्टि करने का एकमात्र तरीका यह है कि उसके किसी निश्चित, स्थिर चेकपॉइंट से गुजरने का इंतजार किया जाए। अब इसमें 17,000 मील प्रति घंटे की गति से चल रहे हजारों अन्य वाहनों को जोड़ दीजिए। यदि कोई वाहन अचानक मुड़ जाता है, तो वह प्रभावी रूप से प्रणाली के लिए "खो" जाता है। यही पारंपरिक अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता की वास्तविकता है। मानक तरीके पूर्वानुमेय कक्षीय गणित पर निर्भर करते हैं। यदि कोई उपग्रह "स्क्रिप्ट" के अनुसार चलता है तो हमें पता होता है कि वह कहां है, लेकिन आधुनिक विरोधी छुपाव और छलपूर्ण युद्धाभ्यास का उपयोग करके गायब हो जाते हैं। जैसे ही कोई उपग्रह अपने अनुमानित मार्ग से विचलित होता है उसे फिर से हासिल करने में घंटे या दिन लग सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण अवसंरचना असुरक्षित हो जाती है। अमेरिका-भारत "ड्यूल होराइजन्स" चैलेंज की विजेता दिगंतरा इंडो-पैसिफिक में "ब्लाइंड स्पॉट्स" को समाप्त करने वाली सैटेलाइट ट्रैकिंग प्रणाली के साथ अंतरिक्ष सुरक्षा को मजबूत कर रही है। ड्यूल होराइजन्स चैलेंज के विजेताओं में से एक, बेंगलुरु स्थित स्टार्ट-अप दिगंतरा के संस्थापक अनिरुद्ध शर्मा एक बड़े भौगोलिक जोखिम की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में प्राथमिक सेंसर बनाए रखता है। शर्मा कहते हैं, "इनके बीच एक बहुत बड़ा अंतर है।" वे यह भी कहते हैं कि दिगंतरा इस क्षेत्र में उपग्रह गतिविधि को ट्रैक करने के लिए अमेरिकी एजेंसियों के साथ काम कर रही है। दिगंतरा का विजेता समाधान, स्पेक्ट्रे इन ब्लाइंड स्पॉट्स को उजागर करने का लक्ष्य रखता है। जमीन से आकाश की ओर दृष्टिकोण बदलकर, स्पेक्ट्रे कक्षा से अंतरिक्ष वस्तुओं को ट्रैक करता है। शर्मा बताते हैं, "परंपरागत रूप से प्रणालियां जमीनी-आधारित होती हैं। हमारा समाधान कक्षा से ट्रैक करता है, जिसका अर्थ है कि हम वायुमंडलीय विकृतियों और रेंज से जुड़ी समस्याओं को पार कर जाते हैं।" अंतरिक्ष में एक गतिशील प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, दिगंतरा संपत्तियों पर एक सतत "दृश्य" प्राप्त करता है, जिससे अधिक बार डेटा संग्रह और कहीं अधिक सटीकता संभव होती है। जहां अधिकांश व्यावसायिक कंपनियां आकाश में मौजूद वस्तुओं की जानकारी के लिए अमेरिकी रक्षा विभाग के "कैटलॉग" पर निर्भर करती हैं, वहीं दिगंतरा अपना स्वयं का स्वतंत्र भंडार बना रहा है। इसके सेंसर सॉफ्टबॉल जितनी छोटी वस्तुओं को भी पता लगा सकते हैं, जो खुफिया जानकारी को एक विशिष्ट परत प्रदान करते हैं। इस स्वतंत्रता ने स्टार्ट-अप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बना दिया है। दिगंतरा वर्तमान में अमेरिका के साथ डेटा-साझाकरण समझौते के तहत काम कर रहा है, जिससे उसकी विशिष्ट ब्लाइंड-स्पॉट डेटा को मौजूदा अमेरिकी सैन्य कैटलॉग के साथ प्रभावी रूप से जोड़ा जाता है।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम ह्लबहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाजह्व है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है।

हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं।

डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे- चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

हरियाणा में एचआईवी : पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान- यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल "सीमित समुदायों" या "हाशिये के समूहों" से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी। राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है।

इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है।

दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो।

फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां।

यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा।

इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और ह्लगलतीह्व के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है।

एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा, ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता।

भारत के "एड्स मुक्त" लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं।

अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निःस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं, लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरूआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकू नवताल- 7712

★☆☆☆☆ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7711 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

भाषाई विविधता का भविष्यः युवाओं की भूमिका निर्णायक

योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर "अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस" मनाता जाता है। विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यह उत्सव मनाने का दिवस है। साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय", जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस "भाषाएं मायने रखती हैंः अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह" विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः "बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है" तथा "बहुभाषी शिक्षाः शिक्षा को बदलने की आवश्यकता" थी। इससे पहले 2022 की थीम "बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियाँ और अवसर" थी, जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी "शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन"।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने दिया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में मारे गए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में इस दिन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से 90 प्रतिशत भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 प्रतिशत से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब 40 प्रतिशत लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में "लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण" योजना भी चलाई जा रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा "लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना" योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए।

दरअसल, प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त आवश्यकता है।

दैनिक पंचांग

21 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.39 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	09.09 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.49 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	15.01 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.17 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.40 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.54 ब.से
		धनु	02.10 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	04.15 बजे से
		कुंभ	06.02 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 52 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 13.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.07 बजे को समाप्त।
योग शुभ 15.51 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.01 बजे तदनन्तर बव 00.07 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 3.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872627
जूलियन दिन 2461092.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 03
विशेष विनायक चतुर्थि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बांझी खिजुरिया गांव में देर रात युवती का शव बरामद

साहिबगंज : बोरियो पुलिस ने थाना क्षेत्र के बांझी खिजुरिया गांव के एक घर से 22 वर्षीया आदिवासी युवती का शव बरामद किया। युवती की पहचान कदमा गांव की बाहा मुर्मू के रूप में हुई है। युवती अपने मामा के घर खिजुरिया के सकल मरांडी के यहां आयी थी। घर के अंदर से युवती की लाश रात में पुलिस ने बरामद की। मृतका बाहर काम करती थी। पुलिस हत्या की आशंका जतायी है। जानकारी के अनुसार वह शादीशुदा थी। बाहर काम करती थी। हत्या के पूर्व युवती को बिहार के बांका जिले के एक व्यक्ति के साथ देखा गया था। दोनों दिल्ली में एक साथ काम करते थे। इस संबंध में थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल साहिबगंज में शुक्रवार को कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी अबतक नहीं हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी मामला दर्ज नहीं हुआ है। मृतका के परिजनों के लिखित आवेदन आने के बाद मामला दर्ज होगा। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी अभियान चला रही है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संतुलन खोने से पलटा ट्रक, चालक-खलासी घायल

साहिबगंज : बोरियो-बोआरीजोर मुख्य पथ के दनवार चेक नाका के पास भागलपुर से बोरियो आ रहा ट्रक संतुलन खोने से पलट गया। हादसे में चालक एवं खलासी घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार भागलपुर से ट्रांसपोर्ट का समान लेकर ट्रक बोरियो की ओर आ रहा था। दनवार चेक नाका के समीप संतुलन खो देने से ट्रक पलट गया। दुर्घटना में चालक प्रवीण यादव (45) बिहार के भागलपुर जिला के थाना सबौर निवासी एवं खलासी सुभाष कुमार राय (35) आंशिक रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते हीं पुअनि सिद्धार्थ शंकर टोप्पो एवं एएसआई सुधीर कुमार तिवारी घटना स्थल पहुंच कर दोनों घायलों को बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया।

मालदा रेल मंडल में पावर ब्लॉक से कुछ ट्रेनें 22 को रद

साहिबगंज: मालदा रेल मंडल की ओर से सूचना दी गई कि रेलखंड के पीरपैंती रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या-1 एवं 2 के मध्य 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज निर्माण के लिए स्टील गर्डर लॉन्चिंग होना है। इसको लेकर 22 फरवरी को पीरपैंती रेलवे स्टेशन की सभी लाइन सहित साइडिंग पर 06.10 मिनट का ट्रैफिक व पावर ब्लॉक लिया जाएगा। यह सुबह 10 बजे से अपराह्न 04.10 बजे तक होगा। इस कारण कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द तो कुछ को पुनर्निर्धारित कर परिचालन होगा। ट्रैफिक व पावर ब्लॉक को लेकर भागलपुर-साहिबगंज डेमू (73420), साहिबगंज-भागलपुर-साहिबगंज पैसेंजर (63411/63412) का परिचालन रद्द रहेगा। वहीं रामपुरहाट-गया पैसेंजर (53403) को पुनर्निर्धारित कर उसे रामपुरहाट से तीन घंटे विलंब से खोला जाएगा।

टोटो के चपेट में आने से एक किशोर घायल

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के नीचे टोला मे तीन पहिया टोटो के धक्के से एक किशोर घायल हों गया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र शहरपुर का एक टोटो चालक अपनी टोटो लेकर तीनपहाड़ की और से शहरपुर जा रहा था तभी नीचे टोला के शराब दुकान के समीप एक किशोर (7) टोटो के चपेट में आने से घायल हो गया जिसे परिजनों और स्थानीय लोगो की मदद से तीनपहाड़ के स्थानीय डॉक्टरों से ईलाज कराया गया।

होली और रमजान के मद्देनजर साहेबगंज जिला प्रशासन अलर्ट

अश्लील गानों और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी जेल की कार्रवाई : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आगामी रमजान और होली के पावन त्योहारों को शांति, सदभाव और सुरक्षा के साथ संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। समाहरणालय सभागार में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसपी अमित कुमार सिंह समेत जिले के वरीय पदाधिकारी और शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी तीसरी आँख की नजर

बैठक को संबोधित करते हुए डीसी हेमंत सती ने स्पष्ट किया कि त्यौहारों के दौरान विधि-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचलाधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करें और असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें।

दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति:

जिले के सभी संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों और पुलिस बल के जवानों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।

फ्लैग मार्च और निगरानी:

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करने और स्थानीय शांति समितियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा है।

कड़े प्रतिबंध और छापेमारी के निर्देश त्यौहार की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रशासन ने कड़े रुख अख्तियार किए हैं।

अश्लील गाने और डीजे पर रोक:

होली के दौरान डीजे बजाने और अश्लील व भड़काऊ गाने बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और उपकरण जब्त किए जाएंगे।

अवैध शराब पर नकेल:

डीसी ने उत्पाद विभाग और पुलिस को निर्देश दिया है कि अवैध शराब के अड्डों पर सघन छापेमारी की जाए। त्यौहारों के दौरान शराब की अवैध बिक्री और भंडारण पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी।

सोशल मीडिया की निगरानी:

साइबर सेल को सक्रिय कर दिया गया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ पोस्ट, अफवाह या विद्वेष फैलाने वाली सामग्री डालने वालों को चिन्हित कर दंड प्रक्रिया संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत जेल भेजा जाएगा।

सांप्रदायिक सौहार्द सर्वोपरि

डीसी ने अपील की है कि साहेबगंज जिला हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब का उदाहरण रहा है। रमजान और होली का संयोग आपसी प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी न आए ताकि श्रद्धालुओं और आम जनता को असुविधा न हो।

संक्षिप्त खबरें

नगरपालिका आम निर्वाचन को लेकर शहर में फ्लैग मार्च

पाकुड़ : ज़िले में नगरपालिका निर्वाचन 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी के नेतृत्व में शहर में व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़, प्रशासक,नगर परिषद, नगर थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस जवानों की संयुक्त भागीदारी रही। फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा, जहां आमजन को निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया। साथ ही असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी गई कि चुनाव के दौरान विधि-व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि प्रशासन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति एवं सौहार्द बनाए रखते हुए मतदान दिवस पर बढ़-चढ़कर भाग लें।

एसपी ने किया मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक

साहिबगंज: पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में शुक्रवार को नगर निकाय चुनाव, होली और रमजान के मद्देनजर मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता एसपी अमित कुमार सिंह ने की। अपराध गोष्ठी में एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। एसपी ने नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश दिया। कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें। गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें। चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें। हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें। चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें। उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने का निर्देश दिया। उन्होंने जेल से छूटने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में उनकी समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने, जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके पर सदर डीएसपी विजय कुशवाहा, सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, सभी पुलिस निरीक्षक सहित जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

दंत चिकित्सक डॉ. देवजीत रहे नदारद, मरीज परेशान

साहिबगंज: सीएस व डीएस के निर्देश के बाद भी कुछ डॉक्टर अपनी ड्यूटी समय पर नहीं पहुंच रहे तो कोई नदारद पाए जाते है। ऐसा ही मामला एक बार फिर सदर अस्पताल के दंत विभाग में देखने को मिला। दोपहर करीब 12 बजे अपने ड्यूटी से नदारद रहे। उनकी कुर्सी खाली रही। हालांकि इस दौरान डॉ. सारिका व डेंटल हाइजेनिष्ट ओटी में मरीज को देख रहे थे। दरअसल सदर अस्पताल में तीन दंत चिकित्सक है। इसमें दंत चिकित्सक डॉ. भारती कुमारी छुट्टी पर है। इसबीच दंत चिकित्सक देवजीत राम अपने ड्यूटी से गायब रहे। इस दौरान सिर्फ एक डॉ. सागरिका व डेंटल हाइजेनिष्ट के भरोसे डेंटल विभाग चल रहा है। वही मरीजों का आरोप है कि यहां तीन दंत चिकित्सक होने के बावजूद मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते मरीज को इलाज में काफी विलंब हो रहा है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत बरहरवा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत मयूरकोला पंचायत में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत स्तर पर कार्यरत जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों को पंचायत प्रशासन, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लेखा-जोखा संधारण तथा जनहितकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। समापन अवसर पर मुखिया एलिजाबेथ बेसरा एवं सोना किस्कू सहित सचिव राजेंद्र प्रसाद शाह, सुधीर प्रसाद शाह, बीपीआरओ अरुण शाह, ऑपरेटर गणेश गुप्ता तथा पंचायत सहायक अमित कुमार, टीपू सुल्तान, अपूर्व चक्रवर्ती, सीमाली कुमारी और सुभाष ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने, सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन की पारदर्शिता तथा डिजिटल कार्य प्रणाली के संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पंचायतों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। समापन के अवसर पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

नगरपालिका चुनाव को लेकर बूथों का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगरपालिका चुनाव को लेकर शुक्रवार को जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथों) का प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सभी बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से एएसआई सोम हसदा सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से चांद सोरेन मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद थे। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। प्रशासन की ओर से बताया गया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस विभाग की ओर से एक पुलिस पदाधिकारी तथा जिला प्रशासन की ओर से एक दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट) की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। इसी क्रम में लक रोड स्थित कसाई मोहल्ला के मतदान केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने पर बल दिया।

डीसी ने साहिबगंज कॉलेज में नव निर्मित पुस्तकालय एवं छात्रावास का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती द्वारा आज साहिबगंज कॉलेज परिसर में नव निर्मित पुस्तकालय भवन एवं छात्रावास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने पुस्तकालय भवन में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, प्रकाश एवं वेंटिलेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों के अध्ययन का प्रमुख केंद्र होता है, इसलिए इसकी गुणवत्ता एवं सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। छात्रावास निरीक्षण के क्रम में डीसी ने परिसर की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छात्रावास प्रबंधन को नियमित सफाई, पेयजल, शौचालयों की स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रों के लिए अनुकूल एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपन्न किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के मद्देनजर ड्राई-डे घोषित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, रांची के आलोक में नगरपालिका निर्वाचन 2026 के अवसर पर झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा-576 के तहत संबंधित नगर निकाय क्षेत्रों में ड्राई-डे घोषित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उक्त निर्देश के अनुपालन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने हेतु पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र में ड्राई-डे घोषित किया गया है। यह ड्राई-डे मतदान के लिए निर्धारित तिथि 23.02.2026 को देखते हुए मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से लागू रहेगा। इस संबंध में दिनांक 21.02.2026 के अपराह्न 5:00 बजे से दिनांक 24.02.2026 के प्रातः 7:00 बजे तक की अवधि को ड्राई-डे घोषित किया गया है। इस अवधि के दौरान संबंधित मतदान क्षेत्रों की सभी खुदरा उत्पाद दुकानें, बार, रेस्तराँ तथा झारखण्ड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के गोदाम सहित सभी अनुज्ञप्ति परिसर पूर्णतः बंद रहेंगे। ड्राई-डे अवधि में किसी भी होटल, रेस्तराँ, क्लब या अन्य प्रतिष्ठान से शराब की बिक्री, वितरण अथवा उपलब्ध कराना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही भोजनालय, दुकानों या किसी भी सार्वजनिक अथवा निजी स्थान पर शराब की बिक्री या परोसने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त किसी भी अनधिकृत परिसर में शराब के भंडारण या वितरण पर भी सख्त प्रतिबंध रहेगा तथा उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी संबंधित व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सके।

सड़क दुर्घटना में कॉलेज की शिक्षिका की मौत, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के नोवामुंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में नोवामुंडी कॉलेज की अंग्रेजी विषय की शिक्षिका प्रतिभा टिकारामजी सोमकुंवर की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर में शिक्षिका कॉलेज से छुट्टी के बाद अपनी स्कूटी संख्या जेएच 06 यू 5135 से घर लौट रही थीं। डीवीसी बीएसएनएल टावर के समीप पहुंचते ही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिर पड़ीं और वाहन चालक उन्हें कुचलते हुए जोजो कैंप की दिशा में फरार हो गया। दुर्घटना के बाद उनकी स्कूटी, हेलमेट और हैंडबैग घटनास्थल पर ही बिखरे पड़े मिले। सूचना मिलते ही नोवामुंडी थाना की उपनिरीक्षक पूर्णिमा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल शिक्षिका को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से स्कूटी, हेलमेट और हैंडबैग जब्त कर लिया और अज्ञात वाहन चालक की तलाश में क्षेत्र में घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। घटना की खबर मिलते ही मृतका के पति तुलसीदास रणबीर, जो टाटा स्टील फाउंडेशन में यूनिट लीड के पद पर कार्यरत हैं, अस्पताल पहुंचे। मौके पर कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी भी अस्पताल पहुंचे और शोक व्यक्त किया। टाटा स्टील के प्रशासनिक प्रमुख निशिकांत सिंह ने भी अस्पताल पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

अस्पताल में 12 शैय्या वाला कैंसर उपचार कक्ष का शुभारंभ, अब होगी रसायन चिकित्सा और संपूर्ण जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : मानगो डिमना चौक स्थित एमजीएम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में अब कैंसर रोगियों के लिए उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो गई है। चिकित्सालय की सातवीं मंजिल पर 12 शैय्या वाले विशेष कैंसर उपचार कक्ष का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार तथा अधीक्षक डॉ. बलराम झा ने संयुक्त रूप से किया। कोल्हान क्षेत्र में यह पहला सरकारी चिकित्सालय है, जहां कैंसर के नियमित उपचार की सुविधा आरंभ की गई है। अब रोगियों को इलाज के लिए रांची अथवा निजी चिकित्सालयों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को राहत मिलेगी। पूर्व में यहां कैंसर उपचार की व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीजों को रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा जाता था या फिर निजी चिकित्सालयों में महंगा इलाज कराना पड़ता था। अब स्थानीय स्तर पर ही जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध हो गई है। शुक्रवार को अधीक्षक डॉ. बलराम झा ने बताया कि नए उपचार कक्ष में कैंसर की जांच, रसायन चिकित्सा, प्रयोगशाला जांच तथा गंभीर रोगियों की निगरानी की समुचित व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व में औषधि, शल्य तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों के सहयोग से संचालित की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि रोगियों की संख्या में वृद्धि होती है तो शैय्याओं की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

आरबीआई के ड्रॉफ्ट नियमों से गिफ्ट सिटी में बढ़ेगा बैंकों का रुझान

- प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक मसौदा जारी किया है, जिसके तहत अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों को रुपये में नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट (एनडीडीसी) करने की अनुमति मिलेगी। यह सुविधा केवल उन बैंकों को मिलेगी, जिनकी इकाई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग यूनिट आईबीयू में संचालित होती है। कॉन्ट्रैक्ट सीधे या विदेशी शाखाओं के माध्यम से बैंक-टू-बैंक आधार पर किए जा सकते हैं, और निपटान रुपये या किसी विदेशी मुद्रा में नकद रूप में किया जा सकता है। सिंघानिया एंड कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि मसौदे का मुख्य उद्देश्य आईएफएससी में कामकाज बढ़ाना है। केवल आईएफएससी में संचालन करने वाले बैंकों को ही एनडीडीसी की अनुमति मिलने से गिफ्ट सिटी में वित्तीय गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी और विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा के अंतर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ओटीसी लेनदेन में बाजार निर्माण और मालिकाना पदों को शामिल करना, गैर-बैंक संस्थाओं के साथ एनडीडीसी में प्रवेश की अनुमति, और अपतटीय ईटीपी ट्रेडिंग में स्पष्टता विशेषज्ञों के लिए विशेष रूप से स्वागत योग्य है। आरबीआई ने अधिकृत डीलरों को नियामक सुरक्षा उपायों के तहत विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव का अपतटीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) पर लेनदेन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम भारत के फॉरेक्स बाजार के बढ़ते उदारीकरण और गिफ्ट सिटी को एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

ईपीएफओ जीईएम और जीएसटी डेटा के जरिए अनुपालन निगरानी कर रहा है मजबूत

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी अनुपालन निगरानी और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों के डेटाबेस के साथ इंटीग्रेशन शुरू किया है। सरकारी अधिकारी के अनुसार ईपीएफओ वर्तमान में 2024 और 2025 के लिए जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) से प्राप्त वन-टाइम डेटा डंप की जांच कर रहा है।

नवंबर 2025 में ईपीएफओ ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन जीईएम के साथ समझौता किया। जीईएम एक ऑनलाइन सरकारी खरीद मंच है, जहां केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें पीएसयू और स्वायत्त निकाय वस्तुएं और सेवाएं खरीद सकते हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेवा प्रदाताओं द्वारा भविष्य निधि योगदान का मासिक सत्यापन सुनिश्चित करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय और राजस्व विभाग के पत्राचार के बाद जीएसटी विभाग भी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन डेटा साझा करने के लिए सहमत हो गया। इससे ईपीएफओ को यह जानने में मदद मिलेगी कि पीएमवीबीआरवाय योजना के लाभार्थी संस्थान सही तरीके से योगदान दे रहे हैं। ईपीएफओ अपने अनुपालन तंत्र का विस्तार राज्य स्तर तक कर रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ पेरोल डेटा साझा किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में है, जबकि अन्य राज्यों से विवरण का इंतजार है। ईपीएफओ 99,446 करोड़ रुपये की पीएमवीबीआरवाय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। योजना लाभ के लिए संस्थानों को जीएसटीएन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जीईएम और जीएसएटी डेटा का आदान-प्रदान योजना के सही और पारदर्शी कार्यान्वयन में मदद करेगा।

आईटी शेयरों में एआई के डर से भारी बिकवाली, निफ्टी आईटी में गिरावट

- फरवरी में एफपीआई ने आईटी सेक्टर से 10,956 करोड़ निकाले

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी शेयरों में फरवरी के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 10,956 करोड़ रुपये की बिकवाली की। कुल मिलाकर, इस दौरान दलाल पथ पर 29,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, लेकिन आईटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स इस महीने अब तक 15 फीसदी गिर चुका है, जो मार्च 2020 के बाद का सबसे खराब मासिक प्रदर्शन है। कोफोर्ज के शेयरों में सबसे ज्यादा 17.7 फीसदी की गिरावट आई, इसके बाद एलटीआई माइंडट्री 17 फीसदी और इन्फोसिस 16.5 फीसदी टूटे। जबकि बेंचमार्क निफ्टी-50 1.2 फीसदी बढ़ा। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक फंडों ने आईटी के अलावा एफएमसीजी और हेल्थकेयर में करीब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं वित्तीय सेवाओं और पूंजीगत वस्तुओं में सबसे अधिक निवेश आया। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई से पारंपरिक आईटी सेवाओं के बिजनेस मॉडल को गंभीर खतरा महसूस किया जा रहा है। स्टार्टअप एंथ्रोपिक द्वारा नए एआई टूल के लॉन्च ने निवेशकों के डर को और बढ़ा दिया। विश्लेषकों ने अपने डीसीएफ मॉडल में आय अनुमानों में कटौती की, जिससे आईटी शेयरों के पीई अनुपात घटे।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आईडीएस रिफंड में कारोबारियों को दी बड़ी राहत

कोर्ट ने कहा, इनपुट और आउटपुट समान होने से आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता

नई दिल्ली ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर 2025 को साउथ इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के खिलाफ जीएसटी रिफंड खारिज करने के आदेशों को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इनपुट और आउटपुट समान होने के कारण आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता। सीजीएसटी कानून की धारा 54(3)(2) के तहत यह रिफंड दिया जाना चाहिए। इस फैसले से खासतौर पर उन कारोबारियों को फायदा मिलेगा जिनके व्यवसाय में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी)जमा होता है। इसमें शामिल हैं- खाद्य तेल निर्माता और वितरक, पेट्रोलियम वितरण कंपनियां, गैस सिलिंडर भरने वाले उद्योग और पैकेजिंग पर अधिक खर्च वाले एफएमसीजी कारोबार। वहीं एक अप्रत्यक्ष कर पार्टनर के अनुसार अब करदाता इस फैसले का आधार लेकर अपने आईडीएस रिफंड दावों की रक्षा कर सकते हैं। विभाग पहले इनपुट और आउटपुट समान होने का हवाला देकर रिफंड से इनकार कर देता था। यह फैसला इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। एक उदाहरण में सूरजमुखी, राइस ब्रान और पाम ऑयल को छोटे पैक (250 मिलीलीटर से 5 लीटर) में बेचने पर उत्पाद पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि पैकिंग सामग्री पर ज्यादा दर होती है। इससे आईटीसी जमा होता है और आईडीएस स्थिति बनती है। अब विभाग इस

आधार पर रिफंड नहीं रोक सकेगा। इस फैसले से जीएसटी रिफंड की लंबित प्रक्रिया में स्पष्टता और राहत मिलेगी। आईडीएस रिफंड की दिशा में यह करदाताओं के लिए एक बड़ा समर्थन साबित होगा।

एआई समाधान अपनाने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करें: अधिकारी

डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना हो सकता है जोखिमपूर्ण

नई दिल्ली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के एक अे धिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के प्रति अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए जब तक उनका पूर्ण परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित न हो। उन्होंने कनाडा के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि समान 'प्रॉम्प्ट' दिए जाने पर भी एआई विभिन्न तरीकों से डेटा का विश्लेषण कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि सरकारी विभागों को अपने आंकड़ों को मशीन-रीडेबल प्रारूप में तैयार करना चाहिए। इसके लिए डेटा में कॉन्टेक्स्ट फाइल, सिमैंटिक्स और मेटाडेटा होना जरूरी है। कॉन्टेक्स्ट फाइल जानकारी को सही संदर्भ में समझने में मदद करती है, सिमैंटिक्स डेटा के अर्थ और संदर्भ को स्पष्ट करता है, और मेटाडेटा अतिरिक्त जानकारी जैसे स्रोत, तारीख और संरचना प्रदान करता है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों और सरकारी विभागों के पास डेटा का कैटलॉग होना चाहिए। सभी फाइलें केवल पीडीएफ में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में होनी चाहिए ताकि एआई उनका सही उपयोग कर सके। गूगल के एक अे धिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी वैश्विक डेटा सेट को साझा 'नॉलेज ग्राफ' में लाकर डेटा सर्च इंजन बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसके बजाय, डेटा को प्रत्येक संगठन के पास सुरक्षित और स्थानीय स्तर पर संचालित किया जाना चाहिए।

इस वित्तीय वर्ष में उभरते बाजारों में मिलेंगे निवेश के अवसर: रिपोर्ट

- भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, 2026 में आय बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । गोल्डमैन सैक्स ऐसेट मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में उभरते बाजार (ईएम) निवेशक के लिए तीन प्रमुख थीम पेश कर सकते हैं- एआई -नेतृत्व वाला नवाचार, चीन का संरचनात्मक विकास, और भारत में चक्रीय सुधार। अनुकूल वित्तीय परिस्थितियां और आर्थिक सुधार इन बाजारों की मजबूती को बढ़ा सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार से टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में अवसर बन रहे हैं। चीन और ताइवान जैसे देशों को डेटा सेंटर, क्लाउड और ऑटोमेशन में निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। चाइना में रियल एस्टेट पर निर्भरता कम करने और हाई-टेक व ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं। ये पहल निवेशकों को लंबी अवधि के लिए आकर्षक अवसर दे सकती हैं। भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, लेकिन 2026 में आय में 14 फीसदी वृद्धि का अनुमान है, जो ईएम औसत 10 फीसदी से अधिक है।

ओमनीटेक इंजीनियरिंग 583 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

- मूल्य दायरा 216-227 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग घटक निर्माता ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 216-227 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी से खुलकर 27 फरवरी को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 24 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ 583 करोड़ रुपए का है, जिसमें 418 करोड़ रुपए नए शेयरों के माध्यम से जुटाए जाएंगे और 165 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री प्रस्ताव के तहत बेचे जाएंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ओमनीटेक के शेयर 5 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। नई इकाइयों और वित्तीय मजबूती के साथ, कंपनी को वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। निवेशक बाजार उतार-चढ़ाव और निर्माण लागत पर नजर रखकर निवेश कर सकते हैं। ओमनीटेक का यह आईपीओ निवेशकों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आ रहा है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह कंपनी के विस्तार और उद्योग में स्थिति मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम है।

सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में

इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली । सोने की कीमत ने हाल ही में लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बनाया था, लेकिन इसके बाद लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई। अब कीमतें 5,000 डॉलर के करीब स्थिर हैं। सिल्वर भी निवेशकों के फोकस में है और 133 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुल मार्केट के दौरान इस तरह के तेज करेक्शन सामान्य होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है। सिल्वर की मांग सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल मेटल भी है। सप्लाई लंबे समय से डिमांड से कम बनी हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल संभव है। वैश्विक कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 350 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। केंद्रीय बैंक भविष्य में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग कर सकते हैं। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा और करेंसी सप्लाई बढ़ेगी, जो सोने के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, माइनिंग कंपनियों के शेयर अभी तक उच्च धातु कीमतों को पूरी तरह वैल्यूएशन में शामिल नहीं कर पाए हैं। यदि कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो माइनिंग स्टॉक्स में तेज रैली देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 316, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ये बढ़त पीएसयू बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी से आई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक उछलकर 25,571.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी के अलावा निफ्टी के सभी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण एशियाई बाजारों से कमजोर संकेत मिले जिससे आज बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा।

व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे ज्यादा निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.68 फीसदी वहीं निफ्टी मेटल में 1.25 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 0.41 फीसदी का उछाल आया, निफ्टी एफएमसीजी में 0.56 फीसदी की तेजी, निफ्टी बैंक में 0.71 फीसदी की बढ़त देखी गयी जबकि निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी जबकि 8 शेयरों में गिरावट रही। एनटीपीसी, एलएंडटी, एचयूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और

बीईएल के शेयरों में 2.7 फीसदी तक की बढ़त रही और ये सबसे अधिक नुकसान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 82,272 अंक पर गिरावट के साथ खुला। इसी तरह निफ्टी 50 25,406 अंक पर कमजोर शुरुआत के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक सतर्क नजर आये। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में कहा कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए 10 से 15 दिन का समय है। इस बयान से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

केकेआर ने जताई भारतीय बाजार में बड़े बदलाव की संभावना

- भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया

नई दिल्ली । निजी इक्विटी फर्म केकेआर का मानना है कि भारत के इक्विटी और निजी बाजारों में बड़े बदलाव का समय आ सकता है। रिपोर्ट 'थॉट्स फॉम द रोड' में एक मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा कि वैश्विक निवेशक पिछले कई वर्षों में भारतीय इक्विटी में सबसे कम अंडरवेट रहे हैं, जबकि अमेरिकी बाजारों में अधिक निवेश बनाए रखा है। उन्होंने निवेशकों को चेतावनी दी कि जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखते हैं, उनके लिए यह बदलाव का समय महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया। कमजोर प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारण हैं मुद्रा की कमजोरी, धीमी आय वृद्धि और डर कि एआई देश के आईटी सेवा मॉडल को प्रभावित कर सकता है। हाल की यात्रा में मुंबई और दिल्ली में निवेशक धारणा पिछली यात्राओं की तुलना में शांत रही। जेनरेटिव एआई और ऑटोमेशन के तेजी से अपनाने से भारत के श्रम-केंद्रित आईटी आउटसोर्सिंग सेक्टर में बदलाव आया है। वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में शीर्ष पांच आईटी फर्मों ने केवल 17 कर्मचारी जोड़े, जबकि पिछले साल इसी समय लगभग 18,000 कर्मचारी जुड़े थे। इसका कारण एआई-आधारित डिलिवरी मॉडल से राजस्व और हायरिंग तालमेल में बदलाव बताया गया। 2025 में भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से कमजोर प्रदर्शन किया, लेकिन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2020 के लगभग 60 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ा।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की अहम भूमिका: पिचाई

गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर कर रही सहयोग

नई दिल्ली ।

गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह बयान उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत और अमेरिका द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले दिया। पिचाई ने कहा कि गूगल दोनों देशों के बीच रूपक और वास्तविक रूप से संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर सहयोग कर रही हैं, जिससे उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। भारत से शुरू हुए नवाचार जैसे गूगल पे ने वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव में सुधार किया है। पिचाई ने कहा, हमें गर्व है कि हमारी पहलें स्थानीय नवाचार को वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान कर रही हैं। पिचाई ने भारत के एआई क्षेत्र की प्रगति को असाधारण** बताते हुए कहा कि गूगल पूरी प्रतिबद्धता के साथ उत्पादों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इसका समर्थन कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि एआई के लाभ तभी प्रभावी होंगे जब वे समान रूप से सभी लोगों और हर क्षेत्र तक पहुंचें।

भारत में डेटा सेंटर निवेश, 2030 तक 200 अरब डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

एक ऑडिट और सलाहकार फर्म ने कहा है कि भारत अगले चार वर्षों में डेटा सेंटर निर्माण में लगभग 200 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा। यह निवेश एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में किए जाने वाले 800 अरब डॉलर के कुल निवेश का बड़ा हिस्सा है। कंपनी का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 8-10 गीगावॉट की नई डेटा सेंटर क्षमता का निर्माण होगा। यह निवेश भारत और पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा आर्थिक अवसर है। डेटा सेंटरों में निवेश से स्थानीय रोजगार, तकनीकी विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि डेटा सेंटरों के विकास के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। भारत का बढ़ता हुआ नवीकरणीय ऊर्जा आधार इस प्रक्रिया को मदद करेगा, लेकिन उच्च विकास वाले क्षेत्रों में ग्रिड स्थिरता, सीमित सबस्टेशन क्षमता और लंबी ट्रांसमिशन अपग्रेड समयसीमा प्रमुख बाधाएं हो सकती हैं। भारत तेजी से एशिया-पैसिफिक का डेटा सेंटर हब बन रहा है। हालांकि विकास के लिए ऊर्जा उत्पादन और ग्रिड स्थिरता को सुनिश्चित करना होगा, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और रणनीतिक निवेश से यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में आर्थिक और डिजिटल रूप से मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

कोयला मंत्रालय ने खदान संचालन तेज करने प्रस्तावित किया संशोधन

नई दिल्ली । भारत के कोयला मंत्रालय ने खदानों के परिचालन को तेज करने के लिए सीएमडीपीए और सीबीडीपीए समझौतों में समय-सीमा और दक्षता मापदंडों में संशोधन का मसौदा तैयार किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य खदान खोलने और उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है। मसौदे में स्ट्रक्चर्ड माइलस्टोन तय किए गए हैं- पूरी तरह खोजी गई खदान के लिए कुल परिचालन समय-सीमा= 40 महीने और आंशिक रूप से खोजी गई खदान के लिए कुल समय-सीमा 52 महीने, जिसमें भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है। प्रमुख माइलस्टोन में देरी प्रदर्शन सुरक्षा को प्रभावित करती है। आंशिक रूप से खोजी गई खदानों में यदि जीआर तैयार करने में देरी होती है, तो प्रदर्शन सुरक्षा का 50 फीसदी तक कम्युलेटिव एप्रोप्रिएशन हो सकता है।

एम्स पटना, सी-डैक के बीच समझौता:स्वास्थ्य सेवाओं में एआई से बदलेगी इलाज की तस्वीर, मिलेंगे कई फायदे

पटना (एजेंसी)। पटना अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना ने स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विस्तार के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) पटना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ह्यइंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026ह्ल के दौरान हुआ। इस साझेदारी से एम्स पटना में इलाज कराने वाले मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा। एआई आधारित तकनीक से डॉक्टर एक्स-रे, सीटी स्कैन, पैथोलॉजी और अन्य लैब रिपोर्ट

का तेजी से और अधिक सटीक विश्लेषण कर सकेंगे। इससे कैंसर, दुर्घटना से जुड़ी चोटों और अन्य जटिल रोगों की शुरूआती पहचान संभव होगी, जिससे समय पर उपचार शुरू किया जा सकेगा। डेटा आधारित इंटेलिजेंट सिस्टम उच्च जोखिम वाले मरीजों की पहचान कर उनकी निगरानी और देखभाल की योजना बनाने में मदद करेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से रजिस्ट्रेशन, अपॉइंटमेंट और अस्पताल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाया जाएगा, जिससे मरीजों का इंतजार समय कम होगा। साथ ही, मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों से मेडिकल डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को एआई टूल्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा एमओयू के तहत, एम्स पटना, सी-डैक मोहाली और नोएडा के सहयोग से एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्पेशल पर्पस हब (एआई-एसपीएच) स्थापित करेगा। यह हब स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में कार्य करेगा। यहां डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को एआई टूल्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, संक्रमण रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, ट्रॉमा केयर और गैर-संचारी रोगों पर शोध को बढ़ावा मिलेगा। यह हब बिहार और झारखंड के मेडिकल कॉलेजों के लिए नोडल केंद्र की भूमिका निभाएगा और सुरक्षित डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली के विकास में योगदान देगा। इस समझौते के दौरान एम्स पटना की ओर से उपनिदेशक (प्रशासन) नीलोत्पल बल, फैकल्टी इंचार्ज (आईटी) डॉ. अभ्युदय कुमार और उप फैकल्टी इंचार्ज (आईटी) डॉ. पल्लम गोपी चंद उपस्थित थे। सी-डैक पटना से केंद्र प्रमुख अभिनव दीक्षित और साइंटिस्ट-डी साकेत कुमार झा मौजूद रहे। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन और संयुक्त सचिव सुदीप श्रीवास्तव भी शामिल हुए। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिग.) डॉ. राजू अग्रवाल ने इसे स्वास्थ्य सेवाओं में परिवर्तनकारी कदम बताते हुए कहा कि यह पहल बेहतर इलाज, उन्नत शोध और क्षेत्रीय तकनीकी क्षमता के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह साझेदारी पूर्वी भारत में आधुनिक, सुरक्षित और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

हाजीपुर में सड़क हादसे में टेंपो चालक की मौत

पटना (एजेंसी)। पटना के मीठापुर सब्जी मंडी जा रहे टेंपो को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे चालक निरंजन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना के पास घटी। वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत सादुल्लापुर पेट्रोल पंप के निकट शुक्रवार सुबह एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन की टक्कर से टेंपो चालक की मौत हो गई। टेंपो पर सवार चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। क्षतिग्रस्त वाहन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी सदर अस्पताल पहुंच गए, जहां सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बिदुपुर थाना क्षेत्र के खिलवत गांव निवासी टेंपो चालक निरंजन सिंह को मृत घोषित कर दिया। हादसे में बिदुपुर थाना क्षेत्र के ही राहुल दास, विजय साह, गोलू और राज घायल हो गए। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोलू और राज को पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार वाले सदर अस्पताल पहुंच गए। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने शव के पोस्टमार्टम की कागजी कार्रवाई पूरी कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक निरंजन सिंह अपने टेंपो पर बिदुपुर के चार लोगों के साथ पटना के मीठापुर में सब्जी खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई।

भागलपुर में चचरी पुल से सेंटर तक पहुंचे छात्र

पटना (एजेंसी)। बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा का आज चौथा दिन है। आज दोनों पाली में सोशल साइंस के पेपर होंगे। सेंटर्स पर छात्रों की एंट्री शुरू हो गई है। प्रदेश के कुल 1699 परीक्षा केंद्रों पर 15 लाख से ज्यादा बच्चे एग्जाम दे रहे हैं। इसके पहले मातृभाषा, मैथ्स और द्वितीय भारतीय भाषा सब्जेक्ट्स के पेपर हो चुके हैं। वहीं मसौढ़ी की मैट्रिक परीक्षार्थी की आत्महत्या का मामला गुरुवार को विधानमंडल में उठा। विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने छात्रा की मौत के दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वे इस पूरे मामले की समीक्षा करेंगे। संज्ञान लेंगे। जो भी दोषी हैं और क्या सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, उस पर ध्यान देंगे। फैक्ट ऑफ दि केस की समीक्षा करेंगे। जो उचित होगा, निर्णय लेंगे। मैट्रिक परीक्षार्थी की मौत के दोषियों पर कार्रवाई हो पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा में थोड़ी देर होने के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने से रोक दिया जा रहा है। इससे मसौढ़ी की छात्रा सदमे में आ गई और आत्महत्या कर ली। सदन में सदस्यों ने कई बार सरकार से कहा कि मैट्रिक की परीक्षा में थोड़ी देर से आने वाले छात्र-छात्राओं को भी परीक्षा देने दिया जाए। इसके बावजूद सरकार की तरफ से कोई स्पष्ट निर्देश नहीं जारी किया गया। हर दिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं परीक्षा नहीं दे पा रहे हैं।

पटना के बाकरगंज में पैसों के विवाद में फायरिंग

पटना (एजेंसी)। पटना एक मोबाइल दुकानदार और एक युवक के बीच शुरू हुई कहासुनी जल्द ही झड़प और फायरिंग में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के दो खाली खोखे बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य) पटना ने भी घटनास्थल का दौरा कर जानकारी ली। एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। सिटी एसपी (मध्य) भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बाकरगंज में एक मोबाइल दुकानदार और एक युवक के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। यह विवाद मारपीट में बदल गया, जिसके बाद दुकानदार की ओर से दो राउंड फायरिंग की गई। सिटी एसपी ने कहा कि मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक (मध्य) पटना के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई है, जो मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस ने दहशत फैलाने और अवैध फायरिंग के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी कर रही पुलिस पीरबहोर थानाध्यक्ष शहजाद गद्दी ने बताया, घटना में 7 लोगों के खिलाफ नामजद ऋ्रफदर्ज की गई है। 70 अन्य अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सभी युवक बीएन कॉलेज के छात्र थे। जिसकी पहचान करने में पुलिस जुटी है। फिलहाल सभी नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

डर से अपना धर्म बदला, घर वापसी में आएगा आनंद

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुसलमान के घर वापसी और हिंदू धर्म में आने की बात की है। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उनका समर्थन करते हुए कहा है कि उनका उद्देश्य देश में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करना है। गिरिराज सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भागवत समाज को जोड़ने की बात करते हैं और उनके वक्तव्य को किसी संकीर्ण राजनीतिक नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। घर वापसी तो हो रही है, बहुत लोगों की घर वापसी हुई है और आगे भी होती रहेगी। भारत में जितने लोग हैं, चाहे हिंदू हो या मुसलमान-सब भारतवंशी हैं। सबके पूर्वज एक ही हैं। अगर किसी ने डर से अपना धर्म बदल लिया है तो घर वापसी में आनंद ही आएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि ह्यघर वापसीह्ल को जबरन धर्म परिवर्तन से जोड़कर देखना गलत है। उन्होंने दावा किया कि यह स्वेच्छा से अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं की ओर लौटने की प्रक्रिया है। उनके अनुसार, भारत की सभ्यता हजारों वर्षों पुरानी है और यहां रहने वाले सभी समुदायों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदानी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मदनी देश को तोड़ने वाली भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, मदनी बुजुर्ग हो गए हैं, लेकिन देश तोड़ने की बात करते हैं। वे जिन्ना की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें समझ लेना चाहिए कि इस देश में दूसरा जिन्ना पैदा नहीं हो सकता। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था से संचालित देश है, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। किसी भी प्रकार की अलगाववादी या विभाजनकारी सोच को जनता स्वीकार नहीं करेगी। ऐसा लगता है मानो सिर्फ उन्हीं लोगों ने अपनी मां का दूध पिया है, बाकी और किसी ने नहीं जबकि सच्चाई यह है कि हर वह आवाज जो देश को तबाही, बबार्दी, बदअमनी और आपसी दुश्मनी की ओर ले जाए, वह देश के प्रति वफादारी की आवाज नहीं हो सकती। मदनी ने कहा कि आज देश के भीतर नफरत की आग भड़काई जा रही है, हत्या-हिंसा का माहौल बना हुआ है। दिनदहाड़े लिंचिंग की घटनाएं हो रही हैं, गाय के नाम पर बेगुनाहों को मौत के घाट उतारा जा रहा है और सरकार खामोशी बनाये हुए है। इसके बावजूद कुछ लोग यह ऐलान करते फिर रहे हैं कि इस देश में वही रहेगा जो उनकी विचारधारा पर चलेगा। यह सोच न केवल भारतीय संविधान का खुला उल्लंघन है बल्कि देश की अखंडता, एकता और शांति के लिए भी बेहद खतरनाक है।

मधुबनी में अवैध आरा मशीन की जांच के दौरान वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला

दरभंगा (एजेंसी)। मधुबनी जिले में अवैध रूप से चल रही आरा मशीन की जांच करने गई वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तीन वनकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। मधुबनी जिले में एक बार फिर वन विभाग की टीम पर हमला किए जाने की घटना सामने आई है। मामला रुद्रपुर थाना क्षेत्र के डुमरियाही गांव का है, जहां अवैध रूप से संचालित आरा मशीन की जांच के दौरान वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया गया। इस घटना में वन विभाग के तीन कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। अंधराठाढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कराया जा रहा इलाज घायलों का इलाज अंधराठाढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। घटना के समय मौके पर मौजूद रुद्रपुर थाना के एएसआई संतोष कुमार सिंह ने संचालकों को हथियार रखने से मना किया, लेकिन इसके बावजूद आरा मशीन संचालकों और उनके सहयोगियों ने धारदार हथियार एवं लोहे की रॉड से टीम पर हमला कर दिया। हमले में वन रक्षी रूही कुमारी, नजराना खातून और महेश कुमार घायल हो गए। काफी मशक्कत के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम ने दो आरोपितों को हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य हमलावर मौके से फरार हो गए। जांच करने पहुंची थी टीम तभी हुआ हमला जानकारी के अनुसार, झंझारपुर वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी अर्जुन प्रसाद गुप्ता अपनी दस सदस्यीय टीम के साथ जांच करने पहुंचे थे। उन्होंने रुद्रपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। एफआईआर में डुमरियाही निवासी सीताराम ठाकुर, जगदेव ठाकुर समेत अन्य को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जानलेवा हमला होने के कारण बड़ी घटना हो सकती थी। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव:स्क्रुटनी के बाद जारी लिस्ट पर आज उम्मीदवार दर्ज कर सकते आपत्ति

पटना (एजेंसी)। पटना नॉमिनेशन पेपर की स्क्रूटनी करने के बाद यह लिस्ट तैयार की गयी, जिसमें सेंट्रल पैनल के पांच पद के लिए कुल 44 और काउंसलर के 22 पदों के लिए कुल 47 उम्मीदवारों के नाम को फाइनल किया गया है। आज उम्मीदवार किसी भी तरह की असंतुष्टि होने पर अपना आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। 21 फरवरी को फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। अध्यक्ष पद के लिए 11 उम्मीदवार के नाम फाइनल हैं। वहीं, महासचिव के लिए 8, उपाध्यक्ष के लिए 9, संयुक्त सचिव के लिए 8 और कोषाध्यक्ष पद के लिए 8 प्रत्याशियों के नाम फाइनल हुए हैं। स्क्रूटिनी में अध्यक्ष पद के चार उम्मीदवारों रिंकल यादव, प्रिंस, शांतनु शेखर और श्रुति का का नामांकन रद्द कर दिया गया है। रिंकल और प्रिंस के नामांकन के 5 साल से अधिक हो गए हैं, जबकि शांतनु और श्रुति के डॉक्यूमेंट्स में समस्या है। वहीं, महासचिव पद के मंजीत कुमार और कोषाध्यक्ष पद के अंगद का भी पर्चा रद्द हो गया है। काउंसलर में बीएन कॉलेज से राम प्रकाश, उत्तम कुमार, अविनाश, सत्यदेव, वीमेंस कॉलेज से खुशी कुमारी, मगध महिला कॉलेज से अनुषा राज, आर्ट कॉलेज से शुभम और शशि शेखर सिंह का पर्चा रद्द कर दिया गया है। इन उम्मीदवारों को 20 फरवरी को अपील का मौका दिया गया है। वहीं, पटना वीमेंस कॉलेज में 25 फरवरी को आयोजित होने वाली प्रेसिडेंशियल डिबेट को कैंसिल कर दिया गया है। बुधवार को एक छात्र संघ के द्वारा कॉलेज में जबरदस्ती घुसकर चुनाव प्रचार करने का मामला सामने आया था। इसी कारण अभी प्रेसिडेंशियल डिबेट को कैंसिल कर दिया गया है।

यूरोप की राइन की तरह बिहार में तरक्की लाएगी गंगा :हटाई जा रही गाद, शिप रिपेयर सेंटर का निर्माण शुरू, बन रहे फ्लोटिंग जेटी

पटना (एजेंसी)। अब वो दिन दूर नहीं जब यूरोप की राइन नदी की तरह गंगा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर सामान ढोने में होगा। गंगा नदी यूपी और बिहार के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगी। गंगा नदी में वाटर-वे विकसित करने को लेकर क्या काम हो रहा है? शिप रिपेयरिंग सेंटर के लिए कितना काम हुआ है? वाटर मेट्रो चलाने की क्या तैयारी राइन नदी दुनिया में सबसे ज्यादा सामान ढोने के लिए इस्तेमाल होने वाली नदियों में से एक है। यह आल्प्स पर्वत पर मौजूद टोमा झील से निकलती है। स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, लिकटेंस्टीन, जर्मनी, फ्रांस और नीदरलैंड से होकर बहती है। लंबाई करीब 1230 ' है। राइन वाटर-वे पश्चिमी यूरोप का सबसे अहम कमर्शियल वॉटर-वे है। इसका इस्तेमाल स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टीन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, फ्रांस और

नीदरलैंड द्वारा सामान ढोने में होता है। इस नदी में साल में करीब 6,900 जहाज चलते हैं। इनसे हर साल 300 मिलियन टन से ज्यादा सामान ढोया जाता है। ये जहाज केमिकल, अनाज और मिनरल जैसे जरूरी सामान ले जाते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश लैंड लॉक्ड स्टेट हैं। मतलब, इनकी सीमा समुद्र से नहीं लगी। दोनों राज्यों से सामान निर्यात और आयात करने के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के पोर्ट का इस्तेमाल होता है। सामान को सड़क या रेल के रास्ते भेजना पड़ता है। इससे खर्च बढ़ जाती है। पानी के रास्ते सामान ढोने का अवसर उपलब्ध है। इसके लिए गंगा नदी का इस्तेमाल करना होगा। यही वजह है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारें मिलकर गंगा वाटर-वे तैयार कर रहीं हैं। राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (NW-1) विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में कोलकाता से वाराणसी तक क्रूज और सामान ढोने वाले जहाज चलाए जा रहे हैं। गंगा नदी में भागलपुर के बाद वाराणसी तक गाद की समस्या है। इसके चलते बड़े आकार के जहाज चलाने में परेशानी होती है। बड़े जहाज चलाने के लिए गाद हटाकर चैनल तैयार किया जा रहा है। इससे वाराणसी से पटना होते हुए हल्दिया पोर्ट तक जहाजों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (क्हअक) के अनुसार कोलकाता से भागलपुर तक गंगा नदी की गहराई अच्छी है। यहां तक नदी में माल ढोने वाले बड़े जहाजों की आवाजाही में परेशानी नहीं है। भागलपुर से पटना तक गंगा नदी में गाद अधिक है। इससे गहराई कम हो गई है। नदी में जहाजों को चलने के लिए कम के कम 45 मीटर चौड़ाई में पानी की गहराई 3 मीटर होनी चाहिए। इससे कम गहराई होने पर जहाज के नदी की गाद में फंसने का खतरा रहता है

लव जिहाद मामले में फरार आरोपी के घर पहुंची पुलिस, डुगडुगी बजाकर चस्पा किया गया इश्तेहार

दरभंगा (एजेंसी)। दरभंगा में कथित लव जिहाद मामले में फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। न्यायालय के निर्देश पर मुख्य आरोपी मो. सितारे के घर इश्तेहार चस्पा कर डुगडुगी बजाकर उद्घोषणा की गई है। पुलिस ने जल्द आत्मसमर्पण नहीं करने पर संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी है। दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र में कथित लव जिहाद मामले में फरार चल रहे आरोपी मो. सितारे के घर पर दरभंगा पुलिस ने न्यायालय से जारी इश्तेहार चस्पा किया है। साथ ही डुगडुगी बजाकर उद्घोषणा की गई। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी जल्द आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आरोपी पर हिंदू नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप बताया जाता है कि आरोपी पर एक हिंदू नाबालिग लड़की का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कर शादी करने की धमकी देने का आरोप है। घटना के दो महीने बीतने के बाद भी लड़की की बरामदगी नहीं होने से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़िता के चाचा

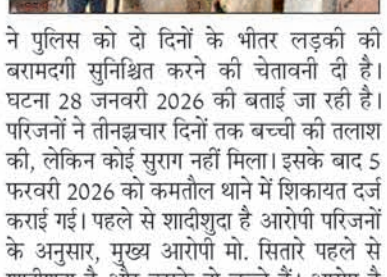

ने पुलिस को दो दिनों के भीतर लड़की की बरामदगी सुनिश्चित करने की चेतावनी दी है। घटना 28 जनवरी 2026 की बताई जा रही है। परिजनों ने तीनझचार दिनों तक बच्ची की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद 5 फरवरी 2026 को कमतौल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पहले से शादीशुदा है आरोपी परिजनों के अनुसार, मुख्य आरोपी मो. सितारे पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि 4 सितंबर 2025 को आरोपी और उसके भाइयों ने उनके घर में लूटपाट की थी। इस मामले में कमतौल थाने में प्राथमिकी संख्या 195/25 दर्ज की गई थी और आरोपी जेल भी गया था। जेल से छूटने के बाद वह बदला लेने की धमकी दे रहा था। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक अभियुक्तों में मो. सितारे नदाफ, मो. चमन, मो. अनवर (तीनों पिता मो. जमाहिर नदाफ), मो. जमाहिर नदाफ तथा जमीला खातून (पति जमाहिर नदाफ) शामिल हैं। सभी आरोपी कुम्हरौली गांव, थाना कमतौल के निवासी बताए जाते हैं। इस संबंध में कमतौल थानाध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घर बंद मिलने और मोबाइल लोकेशन ट्रेसलेस रहने के कारण गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके बाद न्यायालय के निर्देश पर इश्तेहार चस्पा करने की कार्रवाई की गई है। लड़की की बरामदगी के लिए की जा रही छापेमारी पुलिस ने आरोपियों के घरों और उनके रिश्तेदारों के यहां भी पूछताछ की है। नाबालिग लड़की की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है और लड़की की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

पटना- आवारा कुत्तों के लिए बनेगा फीडिंग जोन:75 वार्डों में जगह किए जा रहे चिन्हित, हेल्पलाइन नंबर भी होगा जारी

पटना (एजेंसी)। आवारा कुत्तों को लेकर सरकार सख्त हो गई है। इसे लेकर पटना नगर निगम द्वारा एक खास प्लानिंग की जा रही है। नगर निगम के हर वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए एक फीडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। अभी सभी 75 वार्डों में जगह को चिन्हित किया जा रहा है। इसका नाम ह्यआवारा श्वानों के लिए आहार स्थलह्ल होगा। इस फीडिंग जोन को बनाने का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों की संख्या का पता करना है जिससे उनके नसबंदी करने में मदद मिलेगी। पटना नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक इसके बन जाने से बीमारियों पर रोकथाम

होगा, क्योंकि कई लोग आवारा कुत्तों को सड़क के किनारे खाने की चीज दे देते हैं, जिससे उनका स्लाईवा इधर-उधर फैल जाता है और बीमारियां भी बढ़ती है। इसके अलावा इस फीडिंग जोन के बनने से साफ सफाई सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी क्योंकि आवारा कुत्ते खाकर कुछ खाना छोड़ देते हैं, जिससे कचरा इधर-उधर फैल जाता है। एक ही जगह पर खाना देने पर कुत्तों को भी आदत लग जाएगी और वह उसी जगह पर आकर अपना खाना खाएंगे और चले जाएंगे। इससे गंदगी नहीं फैलेगी। हर फीडिंग जोन के बाहर स्थान और अंचल का नाम लिखा जाएगा वहीं, कुछ कुत्ते खाने के लिए लोगों पर झपटते भी है और काट भी लेते हैं। इन सभी चीजों से निपटने के लिए पटना नगर निगम ने ये खास प्लान बनाया है। हर फीडिंग जोन के आगे स्थान का नाम और अंचल का नाम लिखा जाएगा। आवारा कुत्तों से संबंधित शिकायत या सुझाव के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612-2200634 पर लोग कॉल कर सकते हैं। इससे पहले नवंबर महीने में पटना नगर निगम ने शहर के सभी 75 वार्डों में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण और नसबंदी अभियान चलाया था।

ब्राह्मणवाद' पर पक्ष-विपक्ष के विधायकों में भिड़ंत

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के विधायक एक दूसरे पर फिर से हमलावर हो गए। माले विधायक ने नए यूजीसी बिल पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने 'ब्राह्मणवाद' शब्द का प्रयोग कर दिया। इसके सदन का माहौल गरमा गया। पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच नोंकझोंक होने लगी। बिहार विश्वविद्यालयों में और उच्च शिक्षण संस्थाओं में यूजीसी इक्विटी गाइडलाइन को लागू करने का प्रस्ताव विपक्ष की ओर से माले विधायक संदीप सौरभ ने पेश किया। इस दौरान में उन्होंने 'ब्राह्मणवाद' शब्द का जिक्र कर दिया। इस पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक हंगामा करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने 'ब्राह्मणवाद' शब्द को फौरन सदन

की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। इसके बावजूद पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच आपस में भिड़ंत हो गई। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। विपक्ष की ओर से राजद विधायक आलोक मेहता ने भी पटलवार किया। सदन में क्या-क्या हुआ आइए जानते हैं? पहले जानिए माले विधायक ने क्या कहा? माले विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि बिहार समेत विश्वविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव और उत्पीड़न का मामला सामने आता है। उन्होंने रोहित वेमुला केस का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यूजीसी की ओर दी गई रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षक संस्थाओं में जाति आधारित उत्पीड़न के मामलों में 2019 से 2024 में 118 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसके अलोक 2026 में इक्विटी गाइडलाइन की घोषणा की गई। लेकिन, इसे मजबूति से लागू करने की जगह ब्राह्मणवादी मानसिकता से प्रायोजित आंदोलन के बाद इसके स्थगित कर दिया गया। विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण स्थानों में जातीय उत्पीड़न को बिहार सरकार कानून लाकर लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह मांग करती है कि अध्यादेश लाकर इसे कानून का रूप देने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह करे। साथ ही यूजीसी इक्विटी गाइडलाइन को लागू करने का प्रस्ताव पारित करने की मांग करते हैं। डिप्टी सीएम ने कहा- यह लोग गद्दारी करते हैं माले विधायक संदीप सौरभ के बयान का भाजपा विधायक विरोध करने लगे। देखते ही देखते पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच नोंकझों होने लगी। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सदन की कार्यवाही से ब्राह्मण शब्द को हटाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत में सदन में जाति सूचक शब्द का प्रयोग नहीं करें। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि सदस्यों से अपील है कि अगर उन्हें संविधान में विश्वास है तो इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करें। हर समाज का सम्मान होता है। वह संविधान और संवैधानिक संस्था के निर्णय पर प्रश्न कैसे उठा सकते हैं। उनकी मानसिकता साफ झलकती है। हर समाज का मैं सम्मान करता हूं। इस तरह की मानसिकता गलत है। आज देश को कमजोर करने में, समाज में जहर घोलकर वो राष्ट्र के हितैषी नहीं हो सकते हैं। मैं भी टेक्निकल कॉलेज में पढ़ता था। किस तरह से मुजफ्फरपुर में रैगिंग करवाई जाती थी। उस समय सत्ता किसकी थी। मैं भूमिहार ब्राह्मण समाज से आता हूं। हॉस्टल से बाहर निकलने पर विवश किया गया। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जातिगत भेदभाव से यह लोग बाबा साहेब के सपनों को तार-तार करना चाहते हैं। यह लोग राष्ट्र के हितैषी नहीं है। यह लोग समाज के साथ गद्दारी करते हैं।

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने महीप कपूर को दी नई पहचान

नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर को ऐसी पहचान दी, जो केवल संजय कपूर की पत्नी या सोनम कपूर की चाची तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 1982 में जन्मी और ऑस्ट्रेलिया में पली-बढ़ी महीप ने बॉलीवुड में कदम एक अभिनेत्री के तौर पर रखा था। महिप कपूर का बेबाक, नो-फिल्टर अंदाज और परिवार के प्रति समर्पण ने उन्हें दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 1994 में फिल्म 'निगम' में काम किया था, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। अभिनय से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपने करियर को नया मोड़ देते हुए ज्वेलरी डिजाइनिंग में कदम रखा और 'सत्यानी फाइन ज्वेल्स' के लिए ऐसे डिजाइन तैयार किए, जिन्हें बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनाया। महीप और संजय कपूर की शादी 1997 में हुई थी। बाहर से उनका रिश्ता एक खुशहाल फैमिली की तस्वीर जैसा दिखता था, लेकिन असलियत इससे अलग थी। 'बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में महीप ने अपनी निजी जिंदगी का वह दर्दनाक सच साझा किया, जिससे दर्शक अनजान थे। उन्होंने बताया कि शादी के शुरुआती सालों में संजय कपूर ने उन्हें धोखा दिया था। जब उनकी बेटी शनाया कपूर छोटी थीं, तब संजय का किसी और महिला से संबंध था। इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया। महीप ने यह भी बताया कि अफेयर की जानकारी मिलते ही वह बेटी को लेकर घर से निकल गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने संजय को माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला अपने बच्चों शनाया और जहान के लिए लिया और अपनी शादी को एक और मौका देने का निर्णय सही साबित हुआ, क्योंकि आज दोनों एक मजबूत रिश्ता साझा कर रहे हैं। महीप कपूर को लोग अक्सर 'मामा बियर' कहकर पुकारते हैं। वह अपनी बेटी शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हमेशा प्रोटेक्टिव रही हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अपने बच्चों के साथ बिताए गए पलों को साझा करती रहती हैं, जिससे साफ पता चलता है कि परिवार उनकी प्राथमिकता है। शनाया अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं, और महीप का समर्थन हर कदम पर उनके साथ दिखता है। ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में सफलता हासिल करने के बाद महीप आज एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार के रूप में भी लोकप्रिय हैं।

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है: अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है और एक्टर्स के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभिषेक बच्चन ने एआई को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वह इस तकनीक के साथ बहुत कम्फर्टेबल नहीं हैं। उनके

मुताबिक, एआई भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में बड़े बदलाव ला सकता है और अगर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया तो इससे एक्टर्स के अवसरों पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के सहारे एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स और तकनीकी प्रक्रियाएँ आसान हो जाएंगी, जिससे फिल्म निर्माण का समय और बजट दोनों कम होंगे। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक्टिंग जैसे मानवीय कला के क्षेत्र में एआई कभी भी उस 'जान' को नहीं ला सकता, जो किसी कलाकार की आत्मा से निकलकर पर्दे पर दिखाई देती है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने कई एआई से तैयार चीज़ें देखी हैं जो देखने में बेहद आकर्षक और परफेक्ट लगती हैं, लेकिन उनमें मानवीय भावनाओं की गर्माहट और असलियत नहीं होती। उनका मानना है कि कलाकार की आत्मा, उसकी कमियाँ और उसकी अनूठी अभिव्यक्ति ही उसे खास बनाती हैं, और यही बात एआई कभी हासिल नहीं कर सकता।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है। असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं। अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर समाज में बदलाव चाहिए, तो पहल खुद से करनी होती है। महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियां हमेशा रही हैं, लेकिन उन्हें वह स्थान और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और बनाने का मौका मिला है, तो मैं इसे सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।' श्वेता का मानना है कि क्वीर कहानियों को असरदार बनाने के लिए उन्हें सनसनीखेज होने की जरूरत नहीं होती। कई बार ये कहानियां बेहद सरल, कोमल और दैनिक जीवन से जुड़ी होती हैं, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक जगह बनाए रखती हैं। श्वेता आगे कहती हैं कि उन्हें वह रास्ता अब साफ दिखाई देता है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं महिलाओं की कहानियों को मंच देना, क्वीर आवाज़ों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदारी बनाए रखना। उनके अनुसार यही उनके लिए एक कलाकार के रूप में अपनापन और उद्देश्य दोनों का भाव पैदा करता है। अभिनेत्री जल्द ही दर्शकों के सामने एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ होने वाली हैं। वे मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु और रसिका दुग्गल सहित कई पुराने और नए कलाकार दिखाई देंगे। बता दें कि अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियों को मुख्यधारा में मजबूत जगह दिलाने के लिए प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं।

इमेज को लेकर सजग थी, इसीलिए ठुकराए कई ऑफर: रवीना टंडन

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपने ग्लैमरस अंदाज़ से लेकर निजी जीवन तक सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के ऐसे फैसलों पर बात की है, जो आज भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता-निर्देशक करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है और सुपरस्टार शाहरुख खान के आइकॉनिक गाने छैंया छैंया को करने से इनकार कर दिया था और इसके पीछे की वजहें दिलचस्प हैं। रवीना ने बताया कि 90 के दशक में उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट ऑफर होते थे, लेकिन वह अपनी इमेज को लेकर बेहद सजग थीं। फिल्म कुछ कुछ होता है में टीना का रोल, जिसे बाद में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने निभाया, पहले रवीना को ऑफर हुआ था। लेकिन रवीना ने यह रोल ठुकरा दिया क्योंकि वह अपने दौर की दूसरी बड़ी स्टार काजोल के अपोजिट सेकंड लीड निभाना नहीं चाहती थीं।

उन्होंने बताया कि उन्होंने करण जौहर से साफ कहा 'काजोल मेरी ही जनरेशन की हैं, मैं उनके पीछे खड़ी नहीं हो सकती।' रवीना ने हंसते हुए कहा कि करण जौहर आज भी मजाक में इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनकी पहली फिल्म ठुकरा दी थी। हालांकि यह रोल रानी मुखर्जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट बन गया और फिल्म आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इसके अलावा, रवीना ने फिल्म दिल से के मशहूर गाने छैंया छैंया, जिसमें बाद में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा दिखीं, को भी करने से मना कर दिया था। उन्हें डर था कि 'शहर की लड़की' जैसे सुपरहिट गाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में 'आइटम सॉन्ग गर्ल' का टैग न दे दिया जाए। उस दौर में एक्ट्रेसेस के लिए स्टीरियोटाइप होना आसान था, इसलिए उन्होंने गाना छोड़ दिया। रवीना का कहना है कि उन्हें अपने निर्णयों पर कोई पछतावा नहीं है क्योंकि हर अभिनेता अपने करियर को अपनी समझ से दिशा देता है। दिलचस्प बात यह है कि जिन अवसरों को उन्होंने छोड़ा, वे रानी मुखर्जी और मलाइका अरोड़ा के लिए माइलस्टोन साबित हुए।

फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर फराह ने किया बड़ा खुलासा

अपनी सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनके मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान के अपोजिट निभाया गया चांदनी का आइकॉनिक रोल शुरुआत में सुष्मिता सेन को नहीं, बल्कि अभिनेत्री समीरा रेडडी को ऑफर किया जाना था। फराह ने यह राज अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत के दौरान खोला। फराह ने बताया कि उन्होंने समीरा को पहली बार 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था, जहां इंडियन ट्रेडिशनल लुक में उनकी खूबसूरती ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उस समय फराह को लगा कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल समीरा के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह सुनकर समीरा भी हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में पूछा कि फिर उन्हें कास्ट क्यों नहीं किया गया। इसके जवाब में फराह ने बताया कि समीरा के करियर की दिशा उस समय बदल चुकी थी, क्योंकि वह सोहेल खान के साथ अपनी डेब्यू फिल्म 'मैने दिल तुझको दिया' कर चुकी थीं। इस फिल्म के कारण उनकी स्क्रीन इमेज और प्रोजेक्ट्स अलग दिशा में जा रहे थे, जिसके चलते 'मैं हूं ना' के लिए सुष्मिता सेन को चुनना पड़ा। फराह ने साफ कहा कि समीरा उनकी पहली पसंद थीं, लेकिन उस समय परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं। समीरा रेड्डी ने इस खुलासे पर खुशी तो जताई, लेकिन थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी और इस फिल्म ने सुष्मिता सेन की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म में सुष्मिता द्वारा निभाया गया चांदनी का ग्लैमरस साड़ी लुक आज भी दर्शकों के बीच बेहद मशहूर है। फिल्म रिलीज़ के बाद यह फराह खान के निर्देशन करियर की धमाकेदार शुरुआत साबित हुई। दूसरी ओर, समीरा रेड्डी 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री' और 'रेस' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन बाद में उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली।

बदले हुए लुक को लेकर सुर्खियों में राजकुमार राव

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव एक शॉर्ट फिल्म के इवेंट में नजर आए, जहां रेड कार्पेट पर उनका अंदाज देखकर पैपराज़ी भी दंग रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राजकुमार राव की ताजा तस्वीरों और वीडियो में बदले हुए लुक में नजर आ रहे है। राजकुमार राव का वजन बढ़ा हुआ दिखता है, हेयरलाइन बदली हुई नजर आ रही है और उनकी पूरी पर्सनैलिटी में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उनके इस नए लुक ने फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी कि कहीं उनकी तबीयत तो खराब नहीं, लेकिन धीरे-धीरे असली वजह सामने आ गई है। एक्टर के करीबी सूत्र ने बताया कि राजकुमार राव पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके लुक में आया यह बदलाव जानबूझकर किया गया है। सूत्र के अनुसार, वे अपनी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए यह भारी-भरकम रूप लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के किरदार के लिए उन्होंने काफी वजन बढ़ाया है क्योंकि वे अपनी उम्र से काफी बड़े एक जाने-माने व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और राजकुमार राव इस समय दोबारा वजन कम करने की प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार, यह बायोपिक भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में गांगुली की क्रिकेट यात्रा, शुरुआती संघर्ष, कप्तान के रूप में उनके फैसले और भारतीय क्रिकेट के बदलाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया जाएगा।

'बैटल ऑफ गलवान' ने असली सैनिकों की सीरीज की जारी

'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म के मेकर्स ने असली आर्मी वेटरन्स और उनके परिवारों की कहानियों से जुड़ी एक विशेष वीडियो सीरीज जारी की है, जो उन खामोश ताकतों को सम्मान देती है, जो हर सैनिक के पीछे चुपचाप खड़ी रहती हैं। इन वीडियो को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि 'बैटल ऑफगलवान' उन परिवारों को सलाम करता है जिन्होंने हर पोस्टिंग, हर विदाई और हर वापसी को अपने दिल से जिया है। पहले वीडियो में तीसरी गोरखा राइफल्स के कर्नल महीप सिंह चड्ढा की बेटी मिसेज गानवी चड्ढा नज़र आती हैं। कर्नल चड्ढा 1965 और 1971 की जंग में शामिल रहे थे। मिसेज चड्ढा याद करती हैं कि कैसे उनके पति फील्ड एरिया में तैनात रहते थे और उनसे बात करने के लिए लोकल एक्सचेंज के जरिए कॉल बुक करनी पड़ती थी, जिसमें पूरा प्रोटोकॉल निभाना होता था।
वह बताती हैं कि परिवार उन्हें कितना याद करता था, खासकर उनका पसंदीदा खाना बनाते समय। जब वह छुट्टी लेकर घर लौटते थे, तो वही खाना साथ बैठकर खाने में एक अलग ही खुशी होती थी। दूसरे वीडियो में 16 बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा (रिटायर्ड) की पत्नी मिसेज सविंदर मनचंदा उन तनाव भरी यादों को साझा करती हैं, जब उनके पति की यूनिट को अरुणाचल प्रदेश के वांगचुक जनजाति वाले क्षेत्र में भेजा गया था। वह बताती हैं कि उस इलाके में लगातार खतरा बना रहता था। टेलीफोन लाइनें बहुत दूर थीं और आवाज भी साफ नहीं आती थी, लेकिन किसी भी तरह पति की आवाज सुन लेना उनके लिए बड़ा सुकून था। तीसरे वीडियो में खुद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा दिखाई देते हैं, जिन्होंने 1972 से 2003 तक देश की सेवा की। वह अपने 32 साल के आर्मी सफर को जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा बताते हैं। गलवान घाटी के संघर्ष समेत कई कठिन ऑपरेशन्स को याद करते हुए उन्होंने भारतीय सेना और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन भावुक और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से सलमान खान फिल्म्स न सिर्फसैनिकों की बहादुरी को सम्मान दे रहा है, बल्कि उन परिवारों की कुर्बानियों को भी सलाम कर रहा है, जो हर वर्दी के पीछे की असल ताकत होते हैं। सलमा खान के प्रोडक्शन और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'बैटल ऑफ गलवान' बहादुरी, बलिदान और मानवीय रिश्तों की गहराई को दर्शाने की कोशिश करती है। चित्रांगदा सिंह भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। बता दें कि 'बैटल ऑफगलवान' के टीज़र को मिली दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान फिल्म्स लगातार देशभक्ति की भावना को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए इसके गाने 'मातृभूमि' और 'मैं हूँ' ने लोगों के दिलों में जोश और भावनाओं का एक नया उभार पैदा किया है।

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि 'फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी' है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी

होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी।' अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, 'ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।'

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, 'वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है।' हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया।

पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा,

नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

टी20 विश्व कपः सुपर-8 में आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा

से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई। वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंडः मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं। शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

कोलंबो । जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं। जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है। अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है।जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे। बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं। बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं। तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं। उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं। उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं

हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी। इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी । उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी। तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को कहा था। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था। याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है। अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने लगाये हैं सबसे अधिक छक्के , एसोसिएट टीमों इटली और अमेरिका ने पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार सबसे अधिक चौके, छक्के मारने वाली टीमें में भारतीय टीम पहले नंबर पर है। यहां अभी तक 20 टीमों में हुए 39 मुकाबलों में 1000 से अधिक चौके और 500 से ज्यादा छक्के लगे हैं। अभी तक सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीमों में भारत 40, इंग्लैंड- 36, वेस्टइंडीज- 36, अफगानिस्तान- 34 हैं। वहीं मजेदार बात ये है कि इटली और अमेरिका की टीमें छक्के मारने में पाकिस्तान से आगे हैं। भारत की ओर से 11 छक्के तो अकेले ईशान किशन ने ही लगाए हैं। बता दें, ईशान किशन टी20 विश्व कप 2026 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने भी इतने ही छक्के लगाए हैं। इटली ने अफगानिस्तान के बराबर 34 छक्के लगाए। उनके आगे दो ही टीमें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 36-36 सिक्स लगाए है।पाक टीम इस सूची में नौवें नंबर पर है पाक ने टी20 विश्व कप 2026 में कुल 28 सिक्स लगाए हैं। उनसे ज्यादा अमेरिका ने 33 छक्के लगाये हैं।

उस्मान का गेंदबाजी एक्शन अनोखा लेकिन पाकिस्तान से मिलनी वाली चुनौती का अंदाजा :चैपमैन

कोलंबो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शनिवार को यहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप सुपर-आठ मुकाबले से पहले कहा कि पाकिस्तान के रहस्यमयी (अनोखे तरीके से गेंदबाजी करने वाले) स्पिनर उस्मान तारिक की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण से निपटने में उनकी टीम के लिए आपसी मुकाबलों का अनुभव अहम भूमिका निभाएगा।

सुपर-आठ चरण के ग्रुप-दो मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। अगस्त 2024 से अब तक न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे और टी20 प्रारूपों में कुल 20 द्विपक्षीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। चैपमैन का मानना है कि इन मैचों ने उनकी टीम को पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है।

चैपमैन ने कहा, 'उस्मान तारिक का एक अलग तरह का एक्शन है, खासकर क्रीज पर रुककर गेंदबाजी करने का अंदाज अनोखा है और इसे ध्यान में रखना होगा। पाकिस्तान के पास उनके अलाव भी कई बेहतरीन स्पिनर है हर स्पिनर अपनी अलग चुनौती पेश करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिसके खिलाफ हमने सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। हमें अच्छी तरह अंदाजा है कि वे किसी तरह की चुनौती पेश करेंगे। हमारे लिए अहम यह है कि हम एक टीम के रूप में अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहें।'

चैपमैन ने यह भी स्वीकार किया कि श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में धीमी हैं, ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। भारत में खासकर लाल मिट्टी वाली पिचों पर बल्लेबाजों को काफी मदद मिली है और यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल रहा है। आपने कई मुकाबलों में नियमित रूप से 200 के आसपास के स्कोर बनते देखे हैं। गेंदबाजों के सामने निश्चित रूप से चुनौती रही है। लेकिन यहां की पिचें थोड़ी धीमी हैं, जिससे गेंदबाजो को अपने कौशल दिखाने का बेहतर मौका मिल सकता है।'

उन्होंने संकेत दिया कि यहां स्पिन की भूमिका अधिक अहम हो सकती है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यहां स्पिन ज्यादा असर डाले। फिलहाल हमें पिच को देखकर ही अंतिम आकलन करना होगा। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने उम्मीद जताई कि सुपर-8 के सभी मुकाबले कोलंबो में खेले जाने से न्यूजीलैंड को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे टूर्नामेंटों में लगातार अलग-अलग मैदानों पर खेलना और परिस्थितियों के मुताबिक ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यहां तीनों मैच एक ही स्थल पर खेलने से हम हर मुकाबले के साथ बेहतर सीख हासिल कर पाएंगे। एक ही मैदान और लगभग समान पिचों पर खेलना हमारे लिए सकारात्मक है। यह ऐसी चीज है जिसकी हम शिकायत नहीं करना चाहेंगे।'

चैपमैन ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर की फिटनेस को लेकर चिंताओं को दूर किया। सेंटनर अस्वस्थता के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'मिच सेंटनर पूरी तरह

स्वस्थ नजर आ रहे हैं और मैदान पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। अंतिम समय में अगर कोई दिक्कत नहीं हुई तो वे उपलब्ध रहेंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पितृत्व अवकाश पर टीम से अलग हुए थे। वह वापसी की राह पर है और जल्द ही कोलंबो पहुंच सकते हैं। यह देखना होगा कि लंबी उड़ान के बाद उनकी स्थिति कैसी रहती है।'

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

लंदन । नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया। वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वत- ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी। दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

निवेशकों को झांसा देकर 14 करोड़ हड़पने वाली महिला अधिकारी गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों के 14 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में पियर्स एलाइड कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी की अतिरिक्त निदेशक मंजू दूबे उर्फ मंजू उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। इस संदर्भ में निवेशकों की शिकायत पर लखनऊ के आलमबाग थाने में 2017 में मामला दर्ज किया गया था। शासन के निर्देश पर मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि दिल्ली व हरियाणा में पंजीकृत कंपनी के निदेशकों ने आरबीआइ में पंजीकरण के बिना ही कंपनी के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दूबे ने अन्य निदेशकों के साथ मिलकर बिजनौर समेत यूपी के कई जिलों में बैंकिंग कार्यालय खोले थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के निदेशकों ने निवेशकों को आरडी व एफडी योजना में निवेश पर लालच देकर 14 करोड़ रुपये निवेश कराए थे। कुछ समय बाद कंपनी के निदेशक, निवेशकों को कूटरचित बांड देकर फरार हो गए। निवेशकों को जब यह बात पता चली कि उन्हें दिए गए बांड व अन्य दस्तावेज कूटरचित हैं तो उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया था। ईओडब्ल्यू की जांच में कुल 13 अभियुक्त दोषी पाए गए थे। इनमें से छह आरोपितों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। शेष सात आरोपी की गिरफ्तारी के क्रम में मंजू दुबे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। मंजू ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र का पता दिया था, जबकि उनका स्थायी निवास ग्राम डोल छपरा, देवरिया है।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, ओबीसी रिपोर्ट का इंतजार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बताया कि प्रदेश में पंचायत और नगर निकाय के चुनाव जल्द कराने के लिए आवश्यक तैयारियाँ हो रही हैं। इसके साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, जिसके आधार पर पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण होना है, सक्षम प्राधिकारी के विचाराधीन है। विधायक मीर मोहम्मद फैयाज के प्रश्न पर निर्वाचन विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 और जम्मू-कश्मीर म्यूनिसिपल अधिनियम, 2000 के तहत मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव का संचालन प्रदेश चुनाव आयोग के द्वारा किया जाएगा। पंचायतों और बीडीसी का कार्यकाल नौ जनवरी 2024 को समाप्त हो गया, जबकि डीडीसी का कार्यकाल 24 फरवरी 2026 को समाप्त होगा। श्रीनगर नगर निगम का कार्यकाल पांच नवंबर 2023 को और जम्मू नगर निगम का कार्यकाल 14 नवंबर 2023 को समाप्त हो चुका है। अन्य नगर परिषदों और समितियों का कार्यकाल अक्टूबर से नवंबर 2023 के बीच समाप्त हो गया है। उमर सरकार ने बताया कि 77 यूएलबी के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें से 72 का सीमांकन पूरा हो चुका है। पंचायतों में सरपंच और पंच वार्डों का आरक्षण केवल ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की स्वीकृति के बाद किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद सैलजा ने पीयूसी नहीं होने पर 10,000 के चालान को गलत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में दोपहिया वाहनों के लिए प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) नहीं होने पर 10,000 रुपये तक के चालान को तर्कसंगत बनाने की मांग उठा दी है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर उच्च जुर्माने पर आपत्ति दर्ज करा दी है। कांग्रेस सांसद सैलजा ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत यह अधिकतम जुर्माना चार पहिया या भारी वाहनों के लिए उचित हो सकता है, लेकिन स्कूटी और बाइक जैसी छोटी दोपहिया गाड़ियों के लिए यह आम और मध्यम वर्ग के लिए आर्थिक रूप से भारी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जवाब में बताया कि 10,000 रुपये की अधिकतम सीमा अधिनियम में निर्धारित है, लेकिन राज्य सरकारें मोटर वाहन अधिनियम की धारा 200 के तहत अपराध को कंपाउंड कर जुर्माने की राशि तय कर सकती हैं। इस पर सैलजा ने हरियाणा सरकार से आग्रह किया कि वह जुर्माने की राशि वाहन की इंजन क्षमता (सीसी) के अनुसार निर्धारित करे। उन्होंने सुझाव दिया कि 100-150 सीसी तक की स्कूटी और मोटरसाइकिल के लिए जुर्माना 500 से 1,000 रुपये के बीच सीमित होना चाहिए। सैलजा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जनहित होना चाहिए, न कि आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालना। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि आम लोगों के हित में इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे नियम भी लागू हों और जनता पर अनावश्यक दंड न पड़े।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर एनएससीएन-आईएम के उग्रवादी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, स्पेशल टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने टिसिंग क्षेत्र में अभियान चलाया और 35 वर्षीय स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान को हिरासत में लिया। वह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का सदस्य और चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने कथित तौर पर किसी अज्ञात लक्ष्य का अपहरण या हत्या करने की योजना बनाई थी। तलाशी के दौरान उसके पास 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल बरामद किए। संयुक्त सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई ने नियोजित आतंकवादी घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया। पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और अन्य संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, ताकि शेष आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। इसी बीच, नामसाई जिले में पुलिस ने करीब सात लाख रुपये मूल्य की 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया। यह मामला एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी तत्परता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में सुरक्षा बल लगातार आतंकी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी दोनों के खिलाफ सक्रिय हैं। लोंगडिंग और नामसाई में की गई कार्रवाइयों ने संभावित आतंकवादी हमले और नशे की आपूर्ति को रोककर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अमेरिका-पाकिस्तान के बीच बढ़ती दोस्ती पर जयराम का तंज... मोदी सरकार की कूटनीति फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से हमला कर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि स्वघोषित विश्वगुरु दुनिया को संक्षिप्त शब्दों के माध्यम से ज्ञान देने में व्यस्त हैं। कांग्रेस नेता जयराम ने अपनी पोस्ट में गुरुवार को बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध पहले की तरह ही मजबूत हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले की साजिश रचने के लिए वैश्विक मंच पर कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ी है, और इस घटनाक्रम को मोदी सरकार की कूटनीति पर एक निराशाजनक टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में हाल के घटनाक्रमों से साफ है। भारत सरकार के कई प्रयासों के बाद भी पाकिस्तान की अमेरिका में इज्जत बनी हुई है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रमेश ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच का रोमांस बेरोकटोक जारी है। गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में फिर इसका प्रदर्शन देखने को मिला। इस बीच, स्वघोषित विश्वगुरु अपने संक्षिप्त नामों के माध्यम से दुनिया को ज्ञान देने और सीईओ को अपना हाथ थामकर उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर करने में व्यस्त हैं। यह मोदी शासन है, जो भारत को नुकसान पहुंचाने वाला अधिकतम दिखावा है।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट, ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन, एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करता है, जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए सुख) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है। यह शिखर सम्मेलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शासन, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित हो रही एक अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का हिस्सा है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के खिलाफ जारी किया 20 सूत्री आरोपपत्र

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में गुरुवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और अल्पसंख्यकों को डरने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने असम में विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार 6 आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही। असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा की दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके करीबी मंत्रियों एवं उनके परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया।

जिस वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार थे भागवत... उस पर हरदोई में हुई पत्थरबाजी

हरदोई, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस पर कथित पत्थरबाजी की घटना सामने आई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कौधा गांव के पास दोपहर करीब 3:20 बजे हुई, जिसमें ट्रेन के सी4 कोच की एक खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत पूरी तरह सुरक्षित रहे और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग भी घायल नहीं हुए। वे लखनऊ-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ लौट रहे थे। इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर दी है। मेरठ में विशेष जांच दल पहुंचने की उम्मीद है, जो पत्थरबाजी की परिस्थितियों और आरोपियों की पहचान करेगी। भागवत को भारी सुरक्षा के बीच रात 9 बजे मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और वे शताब्दी नगर स्थित माधव कुंज पहुंच गए। उन्होंने 20 और 21 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में भाग लेना है, जिसमें खिलाड़ी और बुद्धिजीवी शामिल होने वाले हैं। इसके पहले, 9 फरवरी को महाराष्ट्र में कोंकण रेलवे लाइन पर वंदे भारत ट्रेन का एक और हादसा हुआ था। मुंबई से गोवा जा रही ट्रेन मवेशियों से टकरा गई, जिससे ट्रेन के ओवरहेड बिजली उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए और रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं। दोनों घटनाओं ने वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा और संचालन पर चिंता बढ़ा दी है। रेलवे प्रशासन ने इन घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा और निगरानी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। हरदोई की घटना में किसी के हताहत न होने और भागवत की सुरक्षा बनाए रखने के बावजूद, पत्थरबाजी ने यात्रियों और अधिकारियों में डर और चिंता पैदा कर दी है। अब मामले की गहन छानबीन की जा रही है ताकि जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा सके।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ सिस्टम, 7 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

मौसम ने अचानक ली करवट, जाते-जाते सर्दी लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिसके चलते सर्दी जाते-जाते फिर लौट आई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 20 से 24 फरवरी के बीच देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय समुद्री सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम असामान्य रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। कई इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के कारण तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान है।

दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और श्रीलंका तट के आसपास समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तेज आंधी और बिजली गिरने से जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश और 40-50 किमी प्रति घंटे की हवाओं की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 26 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में अस्थायी सुधार हो सकता है, हालांकि ट्रैफिक और उड़ानों पर हल्का असर पड़ सकता है।

उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, चमोली और पिथौरागढ़ में 22 से 24 फरवरी के बीच बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मनाली में भी बर्फबारी की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ सकती है।

पूर्वी और मध्य भारत के राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तेज हवाओं और हल्की बारिश का असर रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-

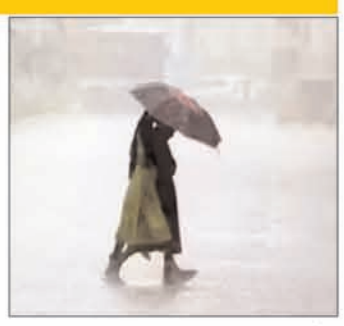

चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। आईएमडी ने नागरिकों को मौसम अपडेट पर नजर रखने और प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

रणवीर सिंह से हैरी बॉक्सर ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, स्टार की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस को जांच में आए दिन नई-नई जानकारी मिल रही है। जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरूआती जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं।

नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने की मां-नानी से तीन घंटे पूछताछ

-जांच का फोकस हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा

पटना(एजेंसी)। पटना के एक निजी हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को सीबीआई तीसरी बार जहानाबाद पहुंची, जहां मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित मृतका के पैतृक गांव में परिजनों से लंबी पूछताछ की। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस छात्रा के इलाज के दौरान की परिस्थितियों और हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा। सीबीआई के अधिकारियों ने मृतका की मां और नानी से करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई टीम यह समझने की कोशिश कर रही है कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की स्थिति कैसी थी और संचालिका की भूमिका इसमें क्या रही। जहानाबाद में पूछताछ के बाद टीम गया स्थित छात्रा के ननिहाल गई। जहां मृतका के मामा और अन्य रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई गई। बताया जाता है कि मतक छात्रा के मामा चार भाई हैं। दो मामा बाहर नौकरी

करते हैं। उनके परिवार के लोग गया में रहते हैं। दो मामा और नाना- नानी गांव में ही रहते हैं। सीबीआई ने सभी कड़ियों को जोड़ने के लिए परिवार के सदस्यों से सामूहिक रूप से बयान दर्ज किए हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से करीब चार घंटे पूछताछ की। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही के आरोप में एसआई हेमंत झा और चित्रगुप्तनगर थानेदार रोशनी कुमार को निलंबित किया गया था।

सीबीआई ने सवाल किए कि छात्रा के प्रभात हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों बरामद नहीं किए गए। परिजनों को कपड़े कैसे मिले और पुलिस को किस आधार पर दिए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में रेप की बात आने के बावजूद पुलिस ने इसे सुसाइड कैसे मान लिया। हालांकि, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार रात फेसबुक लाइव आकर इस मामले में पटना एसएसपी और एसपी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसएसपी बताएं मनीष को किस केस में गिरफ्तार किया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मृतक छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार आज भी अपने दावे पर कायम है। हम शुरुआत से ही पटना के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल पर शक कर रहे है और यहीं उसके साथ गलत हुआ है। घटना की सारे रहस्य हॉस्टल के अंदर ही हैं। सीबीआई ने परिवार से पहले दिन बात की थी, तभी उन्हें बताया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और वहां की वार्डेन को सामने बैठाकर पूछताछ कीजिए। इसके बाद पूरी असलियत सामने आ जाएगी।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उद्यमशील नागरिकों से परिपूर्ण राज्य हैं।

उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि दोनों राज्यों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी प्रगति व समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहें, यही उनकी कामना है। वहीं उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, जैव विविधता, मठों, घने वनों और जीवंत जनजातीय परंपराओं से समृद्ध है। उन्होंने अरुणाचल को प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का प्रतीक बताया और राज्य के सतत विकास, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मिजोरम के लिए अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों और उच्च साक्षरता दर के कारण यह राज्य सामाजिक प्रगति और सामुदायिक सद्भाव का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मिजोरम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए सतत विकास और स्थायी शांति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश को प्राकृतिक दृश्यों और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर राज्य बताते हुए कहा कि यहां के मेहनती और ऊर्जावान नागरिक देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की विविध आदिवासी संस्कृति भारत की समृद्धि को और सुदृढ़ करती है तथा आने वाले समय में अरुणाचल प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुए।

मिजोरम के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने मिजो समुदाय की सामुदायिक भावना, करुणा और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हुए राज्य के निरंतर विकास और नई उपलब्धियों की कामना की।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

-ऑफिशियल अलर्ट जारी, एपीके फाइल को नहीं करें डाउनलोड यह मालवेयर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें ÷8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर÷ देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनैंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

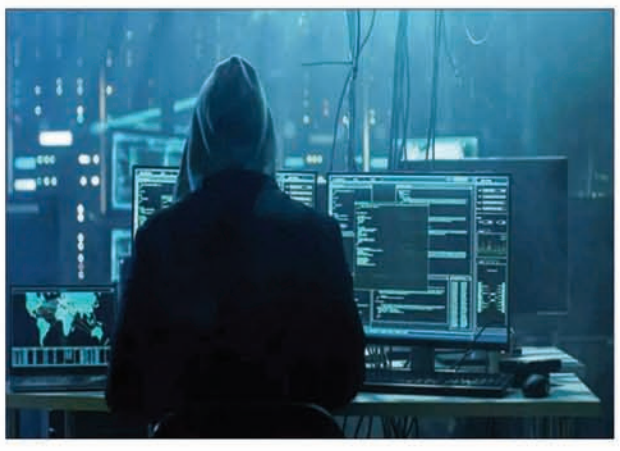

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**